कोटद्वार, मंगलवार
5 मई 2026
वर्षः 49
अंकः 15 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक - निष्पक्ष - जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

सुनेत्रा पवार ने जीत का इतिहास बनाया, 2.18 लाख वोटों से जीतीं

- 5 राज्यों की 7 सीटों पर उपचुनाव, इनमें भाजपा 4, कांग्रेस 1 जीती

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 5 राज्यों की 7 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के नतीजे लगभग आ गए हैं। महाराष्ट्र के बारामती सीट से एनसीपी उम्मीदवार सुनेत्रा पवार ने 2 लाख 18 हजार वोटों के अंतर से ऐतिहासिक जीत दर्ज की। यह अंतर भारत के इतिहास में अब तक का सबसे ज्यादा है। सुनेत्रा पूर्व डिप्टी सीएम अजित पवार की पत्नी हैं, जिनका 28 जनवरी 2026 को विमान हादसे में निधन हो गया था। बारामती अजित पवार की पारंपरिक सीट रही है। यहां से सुनेत्रा की जीत लगभग तय थी। उनके खिलाफ 22 निर्दलीय उम्मीदवार मैदान में थे।

महाराष्ट्र के राहुरी सीट से भाजपा के अक्षय कार्डिले जीत गए हैं। भाजपा ने गुजरात, नगालैंड और त्रिपुरा की 1-1 सीट भी जीत ली है। कर्नाटक के बागलकोट में कांग्रेस उम्मीदवार जीते हैं। राज्य की दूसरी सीट, दावणगेरे साउथ पर कांग्रेस लगातार बढ़त बनाए हुए है। उपचुनाव वालीं सभी 7 सीटें पूर्व विधायकों की मौत के कारण खाली हुई थीं। कर्नाटक, नगालैंड और त्रिपुरा में 9 अप्रैल को वोटिंग हुई थी। गुजरात की लिमखेड़ा और महाराष्ट्र के बारामती और राहुरी सीट पर 23 अप्रैल को वोटिंग हुई थी।

सुनेत्रा पवार ने बारामती में जीत के बाद जनता को धन्यवाद दिया- बारामती में मिली जीत के बाद सुनेत्रा पवार ने जनता का दिल से धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि यह जीत लोगों के भरोसे, प्यार और समर्थन का नतीजा है, जिसे वे हमेशा याद रखेंगे।उन्होंने अजित पवार को याद करते हुए कहा कि यह जीत उनके काम और यादों को समर्पित है। साथ ही पार्टी कार्यकर्ताओं और सहयोगी दलों का आभार जताया और भरोसा दिलाया कि वे सभी वर्गों के विकास के लिए मिलकर काम करेंगे और जनता के विश्वास पर खरा उतरेंगे।

अमेरिकी सेना ने ईरानी जहाज पाकिस्तान को सौंपा

- चीन से लौटते समय कब्जा किया था; यूएस नेवी होर्मुज में फंसे जहाजों को आज से रेस्क्यू करेगी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी सेना ने जब्त किए गए ईरानी जहाज टूस्का को अब पाकिस्तान को सौंप दिया है। अब इस जहाज को उसके क्रू मेंबर के साथ वापस ईरान भेजा जाएगा। यह जानकारी अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता ने दी।

अमेरिका ने 21 अप्रैल को इस जहाज को पकड़ लिया था। यह चीन से लौट रहा था। तब अमेरिकी अधिकारियों ने दावा किया था कि इस पर हथियार बनाने से जुड़े सामान लाए जा रहे थे। ईरान ने इस कार्रवाई की कड़ी आलोचना की थी और इसे समुद्री डकैती बताया था।

अमेरिका ने ईरानी जहाज को ऐसे समय पर रिलीज किया है जब कुछ ही घंटे पहले राष्ट्रपति ट्रम्प ने होर्मुज में फंसे जहाजों को सुरक्षित रास्ता देने के लिए नया अभियान शुरू करने का ऐलान किया है।ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर बताया कि कई देशों ने अमेरिका से मदद मांगी है। उनके जहाज यहां फंस गए हैं। ट्रम्प ने इन जहाजों और उनके कर्मचारियों को निर्दोष बताया और कहा कि वे हालात के कारण मुश्किल में फंस गए हैं।

उन्होंने कहा कि अमेरिका इन जहाजों को सुरक्षित रास्ता दिखाएगा ताकि वे बिना किसी खतरे के अपना काम जारी रख सकें। यह ऑपरेशन सुबह से शुरू होगा। ट्रम्प ने चेतावनी दी कि अगर इस ऑपरेशन में ईरान ने कोई रुकावट पैदा की तो अमेरिका सख्त जवाब देगा।

पश्चिम बंगाल, असम, पुडुचेरी में कमल लहराया

केरल में कांग्रेस गठबंधन तो तमिलनाडु में टीवीके (विजय) का कमाल

कोलकाता/गुवाहाटी/तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी/चेन्नई (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरलम और पुडुचेरी विधानसभा चुनाव 2026 की वोटों की गिनती हुई। रुझानों में बंगाल में बीजेपी पहली बार सरकार बना रही है। वह 203 सीटों पर आगे चल रही थी। वहीं, टीएमसी को झटका लगा है और उसने 84 का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाया और डबल डिजिट में सिमटती दिख रही है। असम में भाजपा, तमिलनाडु में डीएमके, केरल में कांग्रेस आगे थी। पश्चिम बंगाल में 293 सीटों के लिए काउंटिंग हो रही है। वहीं असम की 126 सीटों पर एकतरफा मामला देखने को मिल रहा था और यहां भाजपा 99 सीटों पर आगे चल रही थी।

तमिलनाडु में टीवीके विजय ने चौंकाया, 107 सीटों पर बढ़त बनाए हुए थी- तमिलनाडु में एक्टर विजय की पार्टी टीवीके जबरदस्त प्रदर्शन करती नजर आ रही है। उसने सत्ताधारी डीएमके को पछाड़ते हुए 107 सीटों पर बढ़ बनाई हुई है, जबकि डीएमके 71 सीटों पर आगे चल रही थी।

असम में फिर हिमंता सरकार

असम में चुनावी माहौल पूरी तरह गरम था। 126 विधानसभा सीटों पर हुए मतदान के बाद अब सभी की नजरें नतीजों पर टिकी हुई थीं।

वोटों की गिनती सुबह 8 बजे से शुरू हो गई थी। दोपहर तक तस्वीर काफी हद तक साफ हो गई थी। इस बार असम में 85.38 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ था, जो राज्य के इतिहास में सबसे ज्यादा रहा है। मुख्य मुकाबला मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व वाली भाजपा और कांग्रेस गठबंधन के बीच था। हिमंता बिस्व सरमा हैट्रिक लगाई। भाजपा यहां एकतरफा जीत की और थी।

विजय संदेश में कहा-हमारी सरकार हर वर्ग के लिए काम करेगीः पीएम मोदी

पुडुचेरी में भाजपा की सरकार

पुडुचेरी की 30 सीटों पर मतगणना हुई और यहां बीजेपी 18 और कांग्रेस 7 सीटों पर आगे चल रही थी।

केरलम में कांग्रेस नेतृत्व वाली यूडीएफ सत्ता के करीब थी

केरलम की 140 सीटों पर वोटों की गिनती हुई और कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ 100 सीटों पर आगे चल रही थी। वहीं लेफ्ट 35 सीटों के साथ पीछे चल रही है।

असम में कांग्रेस को बड़ा झटका, जोरहाट सीट से चुनाव हारे गौरव गोगोई

असम में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। बीजेपी के हितेंद्र नाथ ने 23 वोटों के अंतर से हराया कांग्रेस नेता गौरव गोगोई जोरहाट सीट से हराया है। जानकारी के लिए बता दें कि गौरव असम की जोरहाट सीट से चुनाव लड़ रहे थे।

भवानीपुर के काउंटिंग सेंटर पहुंचे ममता और सुवेंदु बाहर भारी फोर्स थी तैनात

बंगाल की 293 सीटों पर वोटों की गिनती जारी थी। एक सीट फालता पर 21 मई को फिर वोटिंग होगी। रुझानों में भाजपा को बहुमत की और थी। भवानीपुर में ममता बनर्जी भाजपा कैंडीडेट सुवेंदु अधिकारी से करीब 7 हजार वोटों से आगे चल रही हैं। दोनों काउंटिंग सेंटर पहुंचे हैं, बाहर भारी फोर्स तैनात थी।

बंगाल में जनसंघ-भाजपा के 72 साल, शुरुआत श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने की

- भाजपा पहली बार बंगाल में सरकार बनाने जा रही है। 1980 में जनसंघ के नेताओं ने भाजपा बनाई थी। जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंगाल से थे।
- 1952 में जब जनसंघ ने पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ा तब पार्टी को सिर्फ 9 सीटें मिली थीं। 1967 में एक सीट मिली।
- 2011 तक भाजपा बंगाल के किसी भी विधानसभा चुनाव में अपना खाता नहीं खोल पाई।
- पहली बार 2016 में पार्टी को 3 सीटें मिलीं। फिर 2021 में भाजपा 77 सीटों पर जीती और अब अपने दम पर सरकार बनाती दिख रही है।

कोलकाता में भाजपा के समर्थकों का ढोल नगाड़े के साथ जश्न शुरू, झालमुड़ी बांटी

असम और पश्चिम बंगाल चुनाव में शानदार प्रदर्शन के बाद बीजेपी समर्थकों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। यहां तक कि पार्टी के समर्थकों ने अभी से ही ढोल नगाड़े बजाने शुरू कर दिए हैं। दिल्ली में बीजेपी मुख्यालय पर समारोह हुआ।

बंगाल में शहर-शहर भाजपा कार्यकर्ताओं का जश्न पश्चिम बंगाल के चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की बढ़त के बाद कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह है। राज्य के अलग-अलग हिस्सों में भाजपा कार्यकर्ता

जश्न मना रहे हैं। कोलकाता में भाजपा कार्यालय के बाहर 'कमला भोग' व 'झाल मुड़ी' जैसी मिठाइयां बांटी गईं। इसके साथ ही, भाजपा कार्यकर्ताओं ने 'जय श्री राम' के नारे लगाए। कोलकाता में पार्टी मुख्यालय के बाहर भाजपा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में पहुंचे थे और जश्न मना रहे थे। इसी क्रम में स्थानीय नेता नारायण चट्टोपाध्याय 'कमला भोग' व 'झाल मुड़ी' लेकर पहुंचे। उन्होंने सभी को 'झाल मुड़ी' खिलाई।

कोलकाता के साल्ट लेक स्थित भाजपा दफ्तर में जश्न का माहौल है। पार्टी के वरिष्ठ नेता सुनील बंसल, बिप्लव कुमार देव, मंगल पांडे, राहुल सिन्हा, अमित मालवीय, निशिकांत दुबे, संजय जायसवाल और सतीश गौतम शामिल हैं। कार्यकर्ताओं कार्यालय परिसर में जश्न मनाते नजर आए।

बिहार में फिर टूटा पुल

4.7 किमी लंबा विक्रमशिला सेतु दो हिस्सों में बंटा, सिस्टम पर उठे बड़े सवाल, ट्रैफिक डायवर्ट

पटना (एजेंसी)। बिहार में गंगा नदी पर बना विक्रमशिला सेतु, भागलुर और नवगछिया को जोड़ता है। बिहार के सीमांचल और कोसी क्षेत्र के बीच यह पुल एक महत्वपूर्ण कड़ी है। रविवार रात यह पुल अचानक बीच में से टूट गया। जी हां, पुल का एक हिस्सा पूरी तरह से ध्वस्त होकर गिर गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। इसके बाद प्रशासन ने यातायात को दोनों ओर से डायवर्ट कर दिया।

विक्रमशिला पुल एक तरफ से भागलपुर, बांका और झारखंड व दूसरी ओर नवगछिया, कटिहार, पूर्णिया, सहरसा और मधेपुरा को जोड़ता है। इस क्षेत्र में इस पुल को लाइफलाइन माना जाता है। इस पुल का उद्घाटन साल 2001 में राबड़ी देवी के कार्यकाल में हुआ था।

भागलपुर के जिलाधिकारी नवल किशोर चौधरी ने बताया कि पुल दो चरणों में ध्वस्त हुआ। पहला हिस्सा रविवार रात 11,55 बजे के आसपास पुल संख्या 133 पर हुआ जबकि आधी रात बाद 1,07 बजे एक पूरा स्पैन गिर गया जिससे 4.7 किलोमीटर लंबा पुल दो हिस्सों में बंट गया। उन्होंने कहा, पहले से अलर्ट जारी होने के कारण कोई अप्रिय घटना नहीं हुई।

भागलपुर की ओर का यातायात मुंगेर की तरफ मोड़ दिया गया है, जबकि दूसरी ओर का ट्रैफिक खगड़िया की ओर डायवर्ट किया गया है।

उन्होंने बताया कि भागलपुर के एसएसपी प्रमोद कुमार यादव और नवगछिया के एसपी राजेश कुमार घटना के तुरंत बाद मौके पर पहुंचे और यातायात व्यवस्था संभाली।

बंगाल चुनाव नतीजों के बीच आया सुप्रीम कोर्ट का फैसला

'कानून व्यवस्था संभालना सरकार का काम है'

नईदिल्ली (एजेंसी)। बंगाल विधानसभाव चुनाव को लेकर मतगणना जारी है। इस बीच ही सुप्रीम कोर्ट सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव के बाद हिंसा की आशंकाओं के मद्देनजर केंद्रीय बलों की तैनाती जारी रखने की मांग वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में आता है। ऐसे में कोर्ट ने कहा कि वह राज्य तंत्र से न्यायिक हस्तक्षेप के बिना ही अपनी जिम्मेदारियों को निभाने की उम्मीद करता है।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने कहा कि इस स्तर पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा किसी न्यायिक आदेश की आवश्यकता नहीं है। सीजेआई की बेंच पीठ ने कहा, राज्य का संचालन राजनीतिक कार्यपालिका द्वारा किया जाए। वे निर्णय लेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमें उम्मीद है कि वे (राज्यसरकार) अपनी जिम्मेदारियों को समझते हैं। पीठ ने केंद्रीय पुलिस बलों की निरंतर तैनाती के निर्देश देने वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया। ये टिप्पणियां तब आई जब वरिष्ठ अधिवक्ता वी. गिरि ने सनातनी संसद की ओर से दायर उस याचिका का जिक्र किया जिसमें मतदान समाप्त होने के बाद भी केंद्रीय बलों की मौजूदगी सुनिश्चित करने और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में निगरानी तंत्र स्थापित करने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

इस याचिका में जल्दी की जरूरत क्या थी?

वकील वी गिरि ने पिछले चुनावों में कथित हिंसा की घटनाओं का हवाला देते हुए अदालत से एहतियाती हस्तक्षेप करने का आग्रह किया था। बता दें कि जब चुनावी प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी और केवल मतगणना शेष थी, तब याचिका की तात्कालिकता को लेकर पीठ आश्वस्त नहीं दिखी। इस मामले में अदालत ने पूछा, चुनाव समाप्त हो चुके हैं, मतगणना चल रही है। ऐसी स्थिति में इतनी तात्कालिकता की क्या आवश्यकता है? अदालत ने यह भी संकेत दिया कि इस प्रकार की शिकायतों के लिए उपयुक्त मंच संबंधित उच्च न्यायालय होगा।

उप्र के दोनों डिप्टी सीएम सवार थे, 10 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट

खराब मौसम के चलते लखनऊ-दिल्ली इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

नईदिल्ली/भोपाल/लखनऊ/जयपुर/देहरादून (एजेंसी)। खराब मौसम की वजह से दिल्ली से लखनऊ जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई-6476 की भोपाल में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। इसमें यूपी के दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक सवार थे। दोनों भोपाल में सुरक्षित उतरे।

यूपी में आंधी-बारिश जारी है। कानपुर, सुल्तानपुर और बाराबंकी समेत 64 जिलों में आंधी, बारिश और ओले गिरने का अलर्ट है। पिछले 24 घंटे में जालौन सबसे गर्म शहर रहा। सुल्तानपुर में पेड़ की डाल गिरने से एक की मौत हो गई। राजस्थान के दौसा, कोटपूतली-बहरोड़, अलवर और हनुमानगढ़ में आंधी के साथ बारिश हुई। ओले भी गिरे। खराब मौसम के कारण तीन लोगों की मौत हो गई।

जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे पर पेड़ गिरने से 40 मिनट तक जाम रहा। हरियाणा के सिरसा, भिवानी और महेंद्रगढ़ में तेज बारिश के साथ ओले गिरे। उत्तराखंड के भी 11 जिलों में बारिश हुई। नैनीताल, देहरादून और अल्मोड़ा में ओले भी गिरे।

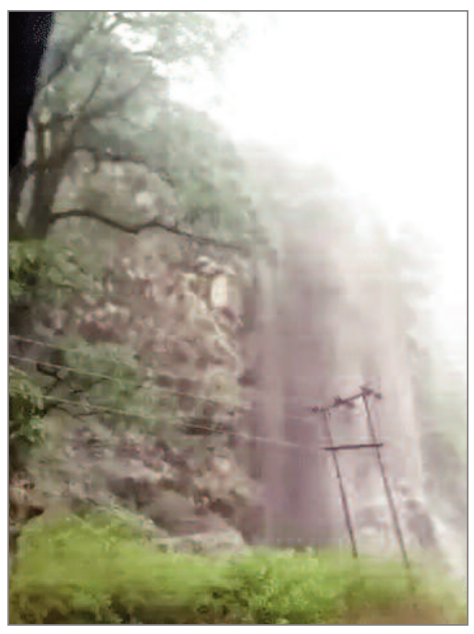

- **अगले 2 दिन के मौसम का हाल-** राजस्थान, बिहार और उत्तराखंड समेत 10 राज्यों में आंधी-बारिश का दौर जारी है। आज 13 राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। 10 राज्यों में आंधी के साथ बिजली गिरने की आशंका है।
- **5 मईः** जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में बारिश के साथ बिजली गिरने का अनुमान है। यूपी, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड और ओडिशा में आंधी-बारिश का यलो अलर्ट है।
- असम, मेघालय और अरुणाचल में कुछ जगह भारी बारिश का अनुमान है।
- **6 मईः** पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में बारिश होगी। यूपी, राजस्थान, बिहार, झारखंड और ओडिशा में आंधी-बारिश का यलो अलर्ट है। पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम और मेघालय में बारिश के साथ बिजली गिरने का अनुमान है।

यूपी में आंधी-तूफान, पानी की टंकी टूटकर लटकी, शादी का मंडप उड़ा, 22 जिलों में तेज बरसात; 3 की मौत- यूपी में आंधी-बारिश का दौर जारी है। सोमवार सुबह अयोध्या, सीतापुर और बारांबकी में ओले गिरे। लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर और कानपुर समेत 22 जिलों में आंधी के बाद बारिश हुई।लखनऊ में तूफान के साथ करीब डेढ़ घंटे तक पानी बरसा। यहां सुबह 8.20 बजे अचानक मौसम बदला। दिन में रात जैसा अंधेरा छा गया। फिर बिजली कड़कने लगी। इसके बाद जोरदार बारिश हुई।बारिश और तूफान से पेड़ और बिजली के पोल उखड़ गए। कई इलाकों की बिजली गुल हो गई। नाले उफना गए। खराब मौसम की वजह से दिल्ली से लखनऊ जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई-6476 की भोपाल में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। इसमें यूपी के दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक सवार थे।लखनऊ एयरपोर्ट पर विमान ने तीन बार लैंडिंग की कोशिश की, लेकिन तेज हवाओं और खराब विजिबिलिटी के चलते लैंडिंग नहीं हो सकी।

बिना तैयारी बैठक में पहुंचे अधिकारियों पर सीएम धामी सख्त

– विभागों के बीच समन्वय की कमी पर अधिकारियों को लगाई फटकार – 15 जून तक सभी लंबित घोषणाओं के शासनादेश जारी करने के साथ कार्य शुरू करने के सख्त निर्देश

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज सचिवालय में आयोजित मुख्यमंत्री घोषणाओं की समीक्षा बैठक में अधिकारियों के बिना तैयारी के उपस्थित होने पर सख्त नाराजगी व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मुख्यमंत्री घोषणाओं की समीक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है और इस प्रकार की बैठकों में बिना पूरी तैयारी के आना किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में सभी अधिकारी पूर्ण तैयारी और तथ्यात्मक जानकारी के साथ ही बैठक में उपस्थित हों।

मुख्यमंत्री ने विभागों एवं अधिकारियों के बीच आपसी समन्वय और संवाद की कमी पर भी कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कई मामलों में विभागीय तालमेल के अभाव के कारण विकास कार्य अनावश्यक रूप से लंबित हो रहे हैं, जो स्वीकार्य नहीं है। मुख्यमंत्री ने सभी सचिवों को संबंधित विधानसभा क्षेत्रों की घोषणाओं की एक बार पुनः गहन समीक्षा करने के कड़े निर्देश दिए। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि मुख्यमंत्री घोषणाएं सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता का विषय हैं और जनता से किए गए वादों को समयबद्ध तरीके से पूरा करना सरकार की प्रतिबद्धता है। उन्होंने निर्देश दिए कि किस विभाग में कितने प्रतिशत घोषणाएं पूर्ण हो चुकी हैं और कितनी लंबित हैं, इसकी विस्तृत रिपोर्ट तत्काल प्रस्तुत की जाए। मुख्यमंत्री ने सभी लंबित घोषणाओं के संबंध में 15 जून तक शासनादेश जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही जिन कार्यों के शासनादेश जारी हो चुके हैं, उन पर तत्काल कार्य प्रारंभ सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अनावश्यक देरी किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने इस बात पर भी कड़ी नाराजगी व्यक्त की कि कई स्थानों पर घोषणाओं के अनुरूप कार्य प्रारंभ होने के बावजूद शिलापट्ट नहीं लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि संबंधित कार्यस्थलों पर शिलापट्ट लगाना सुनिश्चित किया जाए, अन्यथा संबंधित जिलाधिकारी इसकी जिम्मेदारी तय करेंगे।

मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी नाराजगी जताते हुए कहा कि जो विषय जिला स्तर पर हल हो सकते हैं, उन्हें अनावश्यक रूप से शासन स्तर पर लंबित रखना उचित नहीं है। उन्होंने निर्देश दिए कि जिस स्तर पर कार्य लंबित है, उसी स्तर पर उसका तत्काल समाधान किया जाए। मुख्यमंत्री ने सभी सचिवों को निर्देश दिए कि 15 जून से पहले सभी लंबित घोषणाओं की पुनः समीक्षा बैठक आयोजित की जाए और प्रत्येक कार्य की अद्यतन स्थिति प्रस्तुत की जाए। इसके उपरांत मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अल्मोड़ा जनपद के विधानसभा क्षेत्र सल्ट, रानीखेत, सोमेश्वर एवं जागेश्वर से संबंधित विभिन्न विकास घोषणाओं की विस्तृत समीक्षा की।मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनता से किए गए सभी वादों और घोषणाओं को निर्धारित समयसीमा के भीतर धरातल पर उतारा जाए तथा विकास कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र के संतुलित विकास के लिए प्रतिबद्ध है और दुरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

डीएम ने स्टांप चोरी के 47 मामले पकड़े

विकासनगर। पछुवादून, जौनसार बावर के सरकारी कार्यालयों में व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंचे जिलाधिकारी ने सोमवार को सब रजिस्ट्रार कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्टांप शुल्क चोरी के 47 मामले सामने आने के साथ ही अन्य कई गंभीर अनियमितताएं उजागर हुई हैं। डीएम सविन बंसल ने बताया कि सब रजिस्ट्रार कार्यालय के निरीक्षण के दौरान साल 2018, 2024 और 2025 तक के मूल विलेख पत्र संदिग्ध स्थिति में पाए गए, जिन्हें तत्काल कब्जे में लेते हुए जब्त कर लिया गया। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि विक्रय हेतु प्रतिबंधित भूमि की रजिस्ट्री किए जाने के मामले भी पाए गए हैं, जो कि नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। जांच में धारा 47–ए के अंतर्गत स्टांप शुल्क की चोरी से संबंधित 47 प्रकरण भी चिन्हित किए गए हैं। निरीक्षण के दौरान कार्यालय संचालन में पारदर्शिता की कमी, अभिलेखों के रखरखाव में लापरवाही तथा प्रक्रियात्मक नियमों के उल्लंघन जैसी अन्य अनियमितताएं भी पाई गईं। इस सभी बिंदुओं पर विस्तृत जांच करते हुए जिला प्रशासन द्वारा एक समग्र रिपोर्ट तैयार की जा रही है,

संक्षिप्त समाचार

पर्यटक व स्थानीय लोगों के बीच मारपीट

देहरादून। मालरोड पर प्रवेश को लेकर शहीद भगत सिह चौक पर पर्यटक व स्थानीय निवासी के बीच मारपीट हो गई। दोनों पक्षों ने एक दूसरे के विरूद्ध कोतवाली मसूरी में मुकदम दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच की जा रही है। जानकारी के अनुसार रविवार की रात्रि शहीद भगत सिह चौक नगर पालिका बैरियर पर पर्यटक प्रशांत शर्मा निवासी नजफगढ़ दिल्ली अपने वाहन को मालरोड पर प्रवेश को लेकर खड़े थे। इसी बीच स्थानीय निवासी बलराम मौर्य भी मालरोड पर जाने के लिए पर्यटक वाहन के पीछे अपना वाहन लगा दिया। पर्यटक प्रशांत बैरियर पर तैनात कर्मचारियों के साथ मालरोड पर प्रवेश के लिए वार्ता कर रहे थे। इस बीच बलराम ने वाहन हटाने के लिए पर्यटक से कहा जिस पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ गया जिसके बाद दोनों पक्षों में मारपीट हो गई। इसकी सूचना पर मसूरी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची।पुलिस ने दोनों पक्षों को शांत किया। दोनों पक्षों को कोतवाली लाया गया। पुलिस के समझाने के बाद भी दोनों पक्ष मानने को तैयार नहीं हुए जिस पर पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर लेकर क्रास मुकदमा दर्ज कर लिया है। कोतवाली निरीक्षक देवेंद्र चौहान ने बताया कि मामले में जांच शुरू कर दी गई है।

मौसम हुआ खराब, केदारनाथ के लिए नहीं चली हेली सेवा

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम के लिए हेलिकॉप्टर सेवा सोमवार को मौसम खराब होने से बाधित रही। बीते तीन दिनों से लगातार मौसम खराब होने से हवाई सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। इस कारण, फाटा, गुप्तकाशी, शेरसी से हेली से धाम जाने वाले यात्रियों को इंतजार करना पड़ा। मगर मौसम नहीं खुला तो यात्री जा नहीं सके ऐसे में उनके टिकट निरस्त करने पड़े। सोमवार को धाम में बर्फबारी के कारण सभी कंपनियों के हेलिकॉप्टर हेलिपैड पर ही खड़े रहे। यात्री मौसम साफ होने की उम्मीद में देर शाम तक इंतजार करते रहे। कई यात्रियों ने मौसम खुलने की आस में हेलिपैड परिसर में ही समय बिताया। इधर मौसम में सुधार न होने पर कुछ यात्रियों के टिकट भी निरस्त किए गए। हेली सेवा प्रभावित रहने से यात्रियों की चिंता बढ़ी रही। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने बताया कि मौसम खराब होने के कारण उड़ानों पर असर पड़ा है। मौसम सामान्य होते ही सेवाएं फिर नियमित कर दी जाएंगी।

पश्चिम बंगाल व असम में जीत पर भाजपा ने की आतिशबाजी

रुद्रप्रयाग। भाजपा कार्यकर्ताओं ने पश्चिम बंगाल एवं असम में पार्टी को पूर्ण बहुमत मिलने पर जीत का जश्न मनाया। कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की, पटाखे जलाए और एक–दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की खुशी मनाई। केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल ने कहा कि यह कार्यकर्ताओं की जीत है। यह ऐतिहासिक विजय प्रधानमंत्री के नेतृत्व, सुशासन और जनकल्याणकारी नीतियों पर जनता के अटूट विश्वास का परिणाम है। इस अवसर पर पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक खत्री, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष सुमन नौटियाल, ब्लॉक प्रमुख भुवनेश्वरी देवी, श्रीनंद जमलोकी, राजेंद्र सजवाण और मंडल अध्यक्ष मनोज राणा आदि मौजूद रहे।

बंगाली समाज ने भाजपा की जीत का जश्न मनाया

देहरादून। उत्तराखंड बंगाली महासभा ने आराघर मॉडल कॉलोनी स्थित उत्तरायण कालीबाड़ी मंदिर में भाजपा की बंगाल पर प्रचंड विजय पर मिठाई बांटकर और नृत्य कर खुशी मनाई।मॉडल कॉलोनी में हुए एक कार्यक्रम में उत्तराखंड बंगाली महासभा के प्रदेश अध्यक्ष अधीर मुखर्जी ने कहा कि बंगाल में सन सैंतालीस के बाद प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बंगाल में आजादी का एक ओर दिन आया है। पिछले पंद्रह वर्षों में ममता बनर्जी की टीएमसी सरकार ने जिस प्रकार लोगों के खिलाफ और संस्कृति के खिलाफ काम किया, उसे जनता ने भारी बहुमत देकर करारा जवाब दिया है। भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री मोदी से उत्तराखंड में रहने वाले बंगाली समाज को ये उम्मीद है कि वह उत्तराखंड की तरह बंगाल को भी सुदृढ़ और विकसित प्रदेश बनाकर वहां की आम जनता के विश्वास पर खरा उतरेगी। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी महिला होने के बावजूद महिलाओं, बुजुर्गों, युवाओं पर अत्याचार को रोकने में विफल साबित हुई।

जवाड़ी बाईपास क्षेत्र में पहाड़ी से गिर रहा पत्थर–मलबा

रुद्रप्रयाग। जिला मुख्यालय में लगातार हो रही बारिश के बीच जवाड़ी बाईपास के नए भूस्खलन जोन में खतरा बढ़ गया है। तेज बारिश और हवाओं के कारण संवेदनशील पहाड़ी से पत्थर, मलबा लगातार गिर रहा है। ऐसे में मार्ग से गुजर रहे वाहनों के लिए जोखिम बना हुआ है। बीते वर्ष बरसात के दौरान इसी पहाड़ी से भूस्खलन होने के कारण यह मार्ग दो दिन तक बंद रहा था।

इस बार भी यात्रा सीजन और बारिश के दौरान पहाड़ी से लगातार मलबा, पत्थर गिर रहा है। वहीं इस भूस्खलन क्षेत्र में पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था न होने से रात के समय गुजरने वाले यात्रियों के लिए स्थिति और अधिक जोखिम भरी हो रही है। वहीं एनएच के अधिशासी अभियंता ओंकार पांडे ने बताया कि पहाड़ी के ट्रीटमेंट के लिए प्रस्ताव तैयार कर भेजा गया है। स्वीकृति मिलते ही कार्य शुरू किया जाएगा। फिलहाल जेसीबी से गिर रहे मलबे को लगातार हटाया जा रहा है।

युवाओं के लिए जर्मनी और जापान में रोजगार के अवसर

नई टिहरी। बेरोजगार युवाओं के लिए जर्मनी और जापान में नौकरी के अवसर उपलब्ध कराए गए हैं। यह अवसर मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन एवं वैश्विक रोजगार योजना के तहत दिए जा रहे हैं। इसमें बीएससी नर्सिंग, जीएनएम, एएनएम और इंटर पास युवतियों को विदेश में रोजगार मिलेगा। नर्सिंग और केयर गिवर के क्षेत्र में जर्मनी और जापान में रोजगार की काफी संभावनाएं हैं। वैश्विक रोजगार योजना के तहत सरकार के पास विदेशों से सक्षम वर्करों की मांग आई है। यह योजना वर्ष 2023 में शुरू की गई थी। अभी तक टिहरी जिले से करीब 143 युवाओं ने इसमें अपना पंजीकरण कराया है। जर्मनी और जापानी भाषा का प्रशिक्षण लेने के बाद 62 युवतियां जापान और जर्मनी में केयर गिवर के रूप में सेवाएं दे रही हैं। इसके अतिरिक्त, 30 लोग सऊदी अरब में वेयर हाउस में नौकरी कर रहे हैं। इच्छुक युवक और युवतियां जिला सेवा योजन कार्यालय में अपना पंजीकरण करा सकते हैं। पंजीकरण के बाद प्रदेश सरकार उन्हें निशुल्क भाषा प्रशिक्षण और रहने–खाने की सुविधा देगी।–

जर्मनी में रोजगार के अवसर

जर्मनी में बीएससी नर्सिंग और जीएनएम प्रशिक्षित महिला और पुरुष वर्करों की आवश्यकता है। इनकी आयु 21 से 35 साल के बीच होनी चाहिए। इन पदों के लिए प्रतिमाह ढाई से तीन लाख रुपये का वेतन पैकेज बताया गया है। यह अवसर उन लोगों के लिए है जो नर्सिंग के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्राप्त करना चाहते हैं।

कॉजवे व स्कपर के अधूरे निर्माण से सड़क बदहाल

चमोली। विकासखंड पोखरी को जिला मुख्यालय गोपेश्वर से जोड़ने वाली सड़क दो जगह पर बदहाल बनी है। कई महीनों से यहां पर कॉजवे और स्कपर का निर्माण कार्य चल रहा है लेकिन अभी तक आधा काम ही हो पाया है। ऐसे में सड़क दो जगह पर बदहाल बनी हुई है। पोखरी क्षेत्र के 50 से अधिक गांवों की जिला मुख्यालय आने जाने वाली पोखरी–हापला–गोपेश्वर सड़क के बगथल व नारी गदेरे में कॉजवे और स्कपर का निर्माण किया जा रहा है। करीब छह माह से ठेकेदार की ओर से इस काम को पूरा नहीं किया जा सकता है। अधूरे कार्य के कारण इन जगहों पर सड़क संकरी हो गई है साथ ही बारिश होने से सड़क पर कीचड़ भर रहा है। इससे वाहनों की आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। किमोठा के प्रधान हरिकृष्ण किमोठी, बीडीसी सदस्य चंद्रकला देवी, कांडई चंद्रशिला के प्रधान भगत सिंह, तोणजी की प्रधान राजेश्वरी देवी, नवीन राणा, गजेंद्र आदि ने जल्द से जल्द सड़क की स्थिति सुधारने की मांग की। वहीं लोनिवि के ईई राजकुमार ने बताया कि ठेकेदार को निर्माण कार्य तत्काल पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

तीन राज्यों में भाजपा की जीत पर पछुवादून में मना जश्न

विकासनगर। पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद तीन राज्यों में भाजपा की बंपर जीत पर पछुवादून से लेकर जौनसार बावर तक भाजपाइयों ने जमकर जश्न मनाया। कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर विजय जुलूस निकाला। कार्यकर्ताओं ने इसे केंद्र सरकार के सुशासन की जीत करार दिया। कालसी में भाजपा कार्यकर्ताओं ने ब्लॉक मुख्यालय से कालसी गेट तक जुलूस निकालकर जीत का जश्न मनाया। भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रदीप वर्मा ने कहा कि पश्चिम बंगाल की जीत भाजपा के साथ ही वहां की जनता के लिए भी महत्वपूर्ण है। पश्चिम बंगाल की जनता को भी सुशासन और कानून का राज देखने को मिलेगा। त्यूणी मंडल कार्यकर्ताओं ने त्यूणी बाजार स्थित पार्टी कार्यालय पर जीत का जश्न मनाया। मंडल अध्यक्ष नीरज शर्मा ने कहा कि देश की जनता सिर्फ भाजपा की सरकार में खुद को सुरक्षित महसूस करती है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के साथ ही असम, पुडुचेरी में भी भाजपा की बंपर जीत इस बात का प्रमाण है कि जनता भाजपा के शासन से खुश है। सेलाकुई में भाजपा जिलाध्यक्ष मीता सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने जीत की खुशी में आतिशबाजी कर एक दूसरे को मिठाई खिलाई।

जनसुनवाई में अवैध कब्जा, बिजली कटौती और जलभराव की समस्या उठाई

हरिद्वार। जिले में अवैध कब्जे, बिजली की किल्लत, जलभराव, पेंशन में देरी और अन्य समस्याओं को लेकर सोमवार को जनसुनवाई में लोगों का गुस्सा खुलकर सामने आया। अलग–अलग क्षेत्रों से पहुंचे फरियादियों ने समस्याएं रखते हुए त्वरित समाधान की मांग उठाई। इस दौरान कुल 70 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से 32 का मौके पर ही निस्तारण किया गया। अन्य मामलों को संबंधित विभागों को निस्तारण के लिए भेज दिया गया। जिला कार्यालय सभागार में आयोजित जनसुनवाई में 55 शिकायतें सीधे उपस्थित होकर और 15 ऑनलाइन माध्यम से दर्ज कराई गईं। न्यू विष्णु गार्डन निवासी सचिन वर्मा ने नगर निगम की भूमि पर अवैध कब्जा कर डेयरी संचालन और गंदगी फैलाने की शिकायत की।

वहीं, सतवीर सिंह ने अहमदपुर ग्रांट स्थित अपनी भूमि पर कब्जे की शिकायत करते हुए पैमाइश कराने की मांग उठाई। जिला पंचायत सदस्य विमलेश देवी ने औरंगाबाद क्षेत्र में पिछले दो–तीन माह से सीमित विद्युत आपूर्ति के कारण किसानों को हो रही परेशानी का मुद्दा उठाया। इसके अलावा सेवानिवृत्त शिक्षक प्रदीप कुमार धीमान ने पेंशन शुरू न होने, पंकज कुमार ने रोहालकी किशनपुर में कूड़ा व अवैध गोबर हटाने, जबकि किसानों ने वन गुज्जरों द्वारा फसलों को नुकसान पहुंचाने की शिकायत दर्ज कराई। द्वारिका विहार कॉलोनी में जलभराव की समस्या भी प्रमुखता से उठाई गई।

गायक मासूम शर्मा ने पेशी को 10 मई के बाद का समय मांगा

देहरादून। डीएवी पीजी कॉलेज के छात्रसंघ समारोह में मंच से गाली गलौज करने के मामले में हरियाणवी गायक मासूम शर्मा दून पुलिस के नोटिस के बावजूद पेशी से बच रहे हैं। 28 अप्रैल के बाद पेश होने का समय लेने के बावजूद गायक पुलिस के सामने उपस्थित नहीं हुए। उन्होंने एक बार फिर दून पुलिस को सूचना 10 मई के बाद पेश होने को कहा है। एसएसपी देहरादून प्रमेंद्र डोबाल ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि मासूम शर्मा की ओर से पुलिस से संपर्क कर सूचना दी गई है कि वह अपने आयोजनों और व्यस्तताओं के चलते अभी उपस्थित होने में असमर्थ हैं। उन्होंने 10 मई के बाद दून आने की बात कही है। दून पुलिस ने उन्हें 10 मई के बाद जल्द से जल्द विवेचना अधिकारी के समक्ष पेश होकर अपने बयान दर्ज कराने के सख्त निर्देश दिए हैं। पुलिस का स्पष्ट रुख है कि बयान दर्ज होने के बाद ही मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। मासूम पर मामले में केस दर्ज होने के बाद पुलिस के भेजे गए पहले नोटिस पर भी मासूम शर्मा पूछताछ के लिए नहीं आए थे। उनकी जगह उनके बड़े भाई और वकील देहरादून पहुंचे थे। उन्होंने पुलिस को बताया था कि 28 अप्रैल तक गायक के लगातार कार्यक्रम तय हैं। इसलिए वह उसके बाद ही आ सकेंगे। पुलिस ने तब उन्हें 28 अप्रैल के बाद पेश होने का नोटिस थमाया था। 28 अप्रैल बीता तो गायक ने फिर से नई तारीख मांग ली है। बता दें कि डीएवी पीजी कॉलेज में समारोह में गायक मासूम शर्मा ने हजारों छात्र–छात्राओं की मौजूदगी में मंच से अभद्र और अश्लील भाषा का प्रयोग किया था।

सभी अस्पताल हों क्रियाशील, म्यूल टास्क फोर्स रखें तैनात

रुद्रप्रयाग। आयुक्त गढ़वाल मंडल विनय शंकर पांडेय व आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप ने केदारनाथ धाम यात्रा व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

उन्होंने यात्रा व्यवस्था नोडल अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों व व्यापार मंडल के पदाधिकारियों के साथ जिला कार्यालय सभागार में समीक्षा बैठक की। इस दौरान आयुक्त ने सिलिंडरों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने, सभी अस्पताल क्रियाशील व म्यूल टास्क फोर्स तैनात रखने, शौचालयों की नियमित साफ–सफाई, कार्मिकों की पर्याप्त तैनाती, सफाई सामग्री एवं पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही सेक्टर मजिस्ट्रेट के माध्यम से शौचालयों की रैंडम चेकिंग कराने के निर्देश देते हुए यात्रा में स्वच्छता सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिए कहा। डीएम विशाल मिश्रा ने गढ़वाल आयुक्त को अब तक की यात्रा संचालन स्थिति से अवगत कराया। पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर ने यात्रा रूट प्लान, ट्रैफिक व्यवस्था, पार्किंग एवं आपातकालीन सेवाओं की जानकारी दी। केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल ने कई मांगें रखीं।

इस अवसर पर केदारनाथ धाम में अग्नि सुरक्षा के लिए आवश्यक उपकरणों की खरीद के लिए लाख की धनराशि आवंटित की गई है।

आयुष कॉलेज संचालकों ने कुलसचिव को बताईं समस्याएं

देहरादून। देहरादून में उत्तराखंड आयुष प्राइवेट अनएडेड कॉलेज एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने सोमवार को हर्रावाला स्थित उत्तराखंड आयुर्वेद विश्वविद्यालय परिसर में नवनियुक्त कुलसचिव डॉ. शिव कुमार बरनवाल से मुलाकात की। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अश्वनी कांबोज की अगुवाई में पहुंचे पदाधिकारियों ने कुलसचिव का स्वागत किया और आयुष शिक्षा क्षेत्र की चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रकम सिंह और सचिव बालकृष्ण चमोली ने कहा कि निजी कॉलेज छात्रों के हित में पूरा सहयोग दे रहे हैं, लेकिन संस्थानों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान आवश्यक है। उन्होंने परीक्षाओं का समय पर आयोजन, परिणामों की शीघ्र घोषणा और तकनीकी त्रुटियों को दूर करने की मांग उठाई।

दुकानों में घुसा पानी, सामान हुआ बरबाद

रुद्रप्रयाग। मयाली मुख्य बाजार में सड़क किनारे उचित जल निकासी की व्यवस्था न होने के कारण हल्की बारिश भी व्यापारियों और राहगीरों के लिए मुसीबत बन रही है। सोमवार को हुई बारिश के कारण सड़क पर नालियों में पानी उफान पर आ गया और सड़कों से होते हुए कई दुकानों में घुस गया। उनका सामान भी खराब हो गया। दो घंटे तक लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। भौगोलिक दृष्टि से मयाली बाजार दो हिस्सों में बंटा है। ऊपरी बाजार में नाली का निर्माण तो किया गया लेकिन वहां का सारा पानी ढलान के कारण निचले बाजार में जमा हो जाता है। सोमवार को बारिश हुई लेकिन मुख्य तिराहे पर ढलान और निचले बाजार में नाली न होने से पानी उफनाता हुए सड़क के सहारे बाजार में दुकानों में जा घुसा और सारा सामान खराब हो गया। ऐसे में राहगीरों का चलना भी दूभर हो गया। मयाली वासुदेव टैक्सी यूनियन के अध्यक्ष हरीश पुंडीर, पूर्व व्यापार संघ अध्यक्ष सुरेंद्र सकलानी और व्यापारी जितेंद्र बुटोला ने लोनिवि विभाग की उदासीनता पर आक्रोश जताया।

उन्होंने बताया कि विभाग को इस समस्या के बारे में कई बार सूचित किया जा चुका है लेकिन विभागीय अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। मयाली व्यापार संघ ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द पानी की निकासी के लिए नाली का निर्माण नहीं कराया गया तो वे आंदोलन करेंगे।

19 वर्षीय युवक साहस से बोला मैं लडूंगा और जीतूंगा

देहरादून(। दून मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने टिहरी गढ़वाल के घनसाली निवासी 19 वर्षीय युवक में पल्मोनरी एल्वियोलर माइक्रोलिथियासिस (पीएएम) जैसी अत्यंत दुर्लभ बीमारी की पहचान की है। यह रोग इतना असामान्य है कि 1918 से अब तक विश्वभर में इसके केवल लगभग 1100 मामले दर्ज हुए हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. अनुराग अग्रवाल ने बताया कि इसे सामान्य भाषा में "फेफड़ों की पथरी" कहा जा सकता है। दरअसल, फेफड़ों के सूक्ष्म वायु कोश (एल्वियोली) में कैल्शियम फॉस्फेट के महीन कण जमा होने लगते हैं, जो धीरे–धीरे फेफड़ों को कठोर बना देते हैं और ऑक्सीजन के आदान–प्रदान में बाधा उत्पन्न करते हैं। इस बीमारी के शुरुआती लक्षणों में सांस लेने में कठिनाई और अत्यधिक थकान शामिल हैं।

पहली ही बारिश में उखड़ा डामर, पुश्ते कमजोर

चमोली। हाईवे पर किए गए निर्माण कार्य की पहली ही बारिश में पोल खुल गई है। यहां लगातार दो दिन की बारिश में बदरीनाथ हाईवे पर भनेरपाणी भूस्खलन क्षेत्र में हाईवे तालाब में तब्दील हो गया है। वहीं कई जगहों पर डामर उखड़ गया है और पुश्ते कमजोर पड़ गए हैं। ऐसे में बदरीनाथ धाम जाने और लौटने वाले वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। सबसे ज्यादा परेशानी दोपहिया वाहन चालकों को उठानी पड़ रही है और कई बाइक सवार फिसलकर चोटिल भी हो रहे हैं। स्यूण–बैमरु के ग्राम प्रधान रविंद्र नेगी और राकेश नवानी का कहना है कि क्षेत्र में बारिश के पानी की निकासी के लिए कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई है। हाल ही में यहां चट्टान का ट्रीटमेंट और सड़क पर डामरीकरण किया गया था लेकिन पहली ही बारिश में निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। सड़क किनारे

बने पुश्ते कमजोर पड़ने लगे हैं और कई जगहों पर डामर उखड़ने लगा है। नरेंद्र पोखरियाल ने कहा कि पानी की निकासी नहीं होने के कारण हाईवे पर लगातार जलभराव की स्थिति बनी हुई है। क्षेत्र से गुजरने वाले वाहन चालक सावधानी से आवाजाही कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग से जल्द स्थायी समाधान की मांग की।

मई माह की बारिश में बरसात जैसी स्थिति

कर्णप्रयाग। नगर में नियोजन और नीति के अभाव में जल निकासी व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। मई की बारिश ने ही अगस्त–सितंबर जैसी स्थिति होने लगी है जिससे स्थानीय निवासियों और चारधाम यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ढलान पर बसावट के बावजूद स्कपर बंद होने और नालियों की खराब स्थिति से पानी सड़कों पर बह रहा है। व्यापारी लखपत सगोई और देवेंद्र सिंह ने बताया कि नैनीताल हाईवे पर स्कपर बंद होने से अपर बाजार का पानी मुख्य बाजार की दुकानों में घुस गया है।

छात्र–छात्राओं को बताए बचाव और उपचार के गुर

देहरादून। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत सोमवार को कुआंवाला स्थित सीआईएमएस कॉलेज में टीबी मुक्त भारत अभियान 2.0 और 100 दिवसीय टीबी कैंपेन के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. मनोज वर्मा ने करीब 250 छात्र–छात्राओं को टीबी के लक्षण, रोकथाम और सरकार द्वारा उपलब्ध निशुल्क उपचार की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. वर्मा ने बताया कि टीबी संक्रमक है, लेकिन समय पर जांच और सही इलाज से इसे पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि जनपद के उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में शिविर लगाकर एक्सरे व बलगम की जांच की जा रही है। इस दौरान कॉलेज के चेयरमैन ललित मोहन जोशी और फैकल्टी डॉ. अंजना गुंसाई भी मौजूद रहीं।

एक नजर

आभार व्यक्त किया

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :बीएड प्रशिक्षित युवा संघ के प्रवक्ता अरविन्द दुदपुड़ी ने राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा भौतिक शास्त्र तथा नागरिक शास्त्र की लिखित परीक्षा की तिथि विस्तारित करने पर राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष सचिव और परिक्षा नियत्रक का आभार व्यक्त किया हैं। उन्होने कहा की राज्य लोक सेवा आयोग ने प्रशिक्षित युवाओं की माँग को संज्ञान मे लिया और परिक्षा अग्रिम आदेशो तक स्थगित कर दी गई क्योकि उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग की भर्ती परिक्षा और उत्तर प्रदेश शिक्षा चयन आयोग की प्रवक्ता भर्ती परिक्षा एक ही तिथि मे होने से अभ्यार्थीयो मे असमंजस की स्थिति बनी हुई थी तथा अन्य ओर कारणों से भी अभ्यार्थी प्रवक्ता भर्ती परिक्षा तिथि को विस्तारित करने की माँग कर रहे थे।

विद्यार्थियों को बेहतर भविष्य के लिए किया जागरूक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जानकी नगर स्थित हेमनदास सरस्वती विद्या मंदिर में हुई काउंसलिंग कार्यशाला में विद्यार्थियों को बेहतर भविष्य के लिए जागरूक किया गया। कहा कि विद्यार्थियों को जीवन में लक्ष्य तय कर आगे बढ़ना चाहिए। मेहनत करने वालों को सफलता अवश्य प्राप्त होती है। विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य महेंद्र गौड़ ने किया। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य है। इसलिए उन्हें प्रतिदिन कुछ नया सीखने की ललक अपने भीतर पैदा करनी चाहिए। ट्रस्ट के अध्यक्ष मेवालाल ने कहा कि विद्यार्थी जीवन मां के गर्भकाल से शुरू हो जाता है। कहा कि विद्यार्थी जीवन का मूल उद्देश्य चरित्र निर्माण होता है। उन्होंने बच्चों को नियमित रूप से पठन-पाठन पर विशेष ध्यान देकर बेहतर भविष्य बनाएं जाने के लिए भी प्रेरित किया। कहा कि बच्चों को साइबर अपराध से बचने के लिए डिजिटल दुनिया का सतर्कता से उपयोग करना चाहिए। ट्रस्ट की सदस्य रिंकी गौड ने बच्चों को चित्रकला के माध्यम से बच्चों को अपनी सुरक्षा करने उपायों को साझा किया। कहा कि छात्रों को अपने विद्यार्थी व संपूर्ण जीवन काल में संस्कारवान बने रहने के लिए यथा संभव कोशिश करनी चाहिए। इस मौके पर संजय कांत, गौतम कुमार, प्रयाग दत्त चमोली, अंचल कुमार अग्रवाल, मनोज जोशी, योगेश नेगी, गीता रावत, सुनीता पंत, अंजू चमोली, कीर्ति द्विवेदी, श्रेया चौधरी मौजूद रहे।

कई मोहल्लों में पेयजल आपूर्ति बाधित, लोग परेशान

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : शहर के कई मोहल्लों में सोमवार को भी पेयजल आपूर्ति बाधित रही। इस कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। लोगों को अपनी दैनिक जरूरतों के लिए हैंडपंप और अन्य जलस्त्रोतों से पानी भरना पड़ रहा है। लोगों ने जल संस्थान से पेयजल की आपूर्ति सुचारू करने की मांग की है। स्थानीय निवासियों अनुराग, प्रियांशु, मोहित, जगत किशोर ने बताया कि इन दिनों शहर में आए दिन पेयजल आपूर्ति बाधित हो रही है। बताया कि हर साल गर्मी के सीजन में शहर में पेयजल संकट गहराता है। इसके बावजूद जल संस्थान पानी की समस्या से निपटने में हर बार विफल साबित रहा है। जल संस्थान के अधीक्षण अभियंता प्रवीण सैनी ने बताया कि हाल ही में हुई बारिश के दौरान आंधी-तूफान आने से कई जगहों पर बिजली की तारें टूट गई हैं। इन टूटी हुई तारों की वजह से कई स्थानों पर पेयजल आपूर्ति नहीं हो पाई है। जल संस्थान प्रभावित क्षेत्रों में आपूर्ति बहाल करने के लिए तेजी से प्रयास कर रहा है।

उक्रांद ने निकाली आक्रोश रैली, थाने का किया घेराव

सतपुली थाने में धरना देते उक्रांद कार्यकर्ता व पदाधिकारी

न्याय की मांग को लेकर सतपुली थाने में बैठे पंकज के स्वजन

तीन दिन पूर्व रैतपुर गांव के समीप पुल से लटककर युवक ने लगाई थी फांसी

जयन्त प्रतिनिध।

कोटद्वार : सतपुली के रैतपुर गांव के समीप युवक की आत्महत्या का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। एक दिन पूर्व जहां कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने सतपुली थाने में धरना दिया था। वहीं, सोमवार को उत्तराखंड क्रांति दल ने सतपुली पुलिस को मौत का जिम्मेदार मानते हुए आक्रोश रैली निकाली। इस दौरान कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने पीड़ित परिवार के साथ खड़े रहने की बात कही।

मालूम हो कि तीन दिन पर रैतपुर गांव के समीप पुल पर लटककर एक युवक ने फँसी लगा दी थी। युवक ने फांसी से पहले एक वीडियो बनाया जिसमें उसने सतपुली थानाध्यक्ष पर उत्पीडन का आरोप लगाया। इसी मामले को लेकर सोमवार को उक्रांद के केंद्रीय उपाध्यक्ष शांति प्रसाद भट्ट व दिनेश चंद्र मास्टर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने सतपुली में जुलूस निकाला। पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए बड़ी संख्या में कार्यकर्ता सतपुली थाने में पहुंचे। जहां उन्होंने पुलिस अधिकारियों से वार्ता की। कहा कि पंकज की मौत को तीन दिन हो चुके हैं। लेकिन, अब तक थानाध्यक्ष के खिलाफ मुकदमा दर्ज नहीं हुआ। ऐसे में सवाल यह है कि कैसे परिवार को न्याय मिलेगा। कहा कि पुलिस ने युवक का इतना उत्पीड़न किया कि उसे आत्महत्या करने के लिए मजबूर होना पड़ा। युवक के साथ जहां भी मारपीट की गई उस स्थान के सीसीटीवी फुटेज जुटाए जाने चाहिए। कहा कि पुलिस का इस तरह का बर्ताव किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस दौरान पंकज की मां पुष्पा देवी ने थानाध्यक्ष के खिलाफ तहरीर दी। इस मौके पर जिलाध्यक्ष अर्जुन नेगी, जिला उपाध्यक्ष जेपी नैनवाल, केंद्रीय उपाध्यक्ष (यूथ) कुलदीप रावत, नगर अध्यक्ष अनुराग बौंठियाल, यूकेडी महिला मोर्चा गढ़वाल प्रभारी सरस्वती देवी, केशवानंद आर्य, मुकेश बिष्ट आदि मौजूद रहे।

चालान का फर्जी लिंक भेजकर लाखों की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

कोटद्वार पुलिस की हिरासत में ठगी का आरोपी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत एक व्यक्ति के मोबाइल पर वाहन चालान का फर्जी लिंक भेज लाखों की ठगी करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस दौरान पुलिस ने आमजन को साइबर ठगी के प्रति भी जागरूक किया। कहा कि किसी भी तरह की ठगी होने पर तुरंत पुलिस से शिकायत करें।

इस संबंध में 12 फरवरी को कोटद्वार निवासी जीत सिंह ने पुलिस को तहरीर दी। जिसमें उन्होंने बताया था कि उनके मोबाइल पर एक वाहन चालान कटने का लिंक आया। बताया कि जैसे ही उन्होंने लिंक पर क्लिक किया उनके खाते से एक लाख बीस हजार रुपये कट गए। अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार ठाकुर ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस की विशेष टीम गठित की गई। जांच में सामने आया कि ठगी गुजरात अहमदाबाद से की गई है। आरोपित की पहचान होने के बाद पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी। बताया कि मामले में अहमदाबाद निवासी अभिषेक सोलेंकी को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी मोबाइल नंबर से फ्लिपकार्ट एप के माध्यम से पीड़ित के खाते से धनराशि का लेन-देन करता था।

सिमारखाल सहित दर्जनों गांव में पेयजल संकट

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : प्रखंड एकेश्वर के अंतर्गत सिमारखाल सहित दर्जनों गांव की पेयजल योजनाएं दम तोड़ती नजर आ रही है। जिसके कारण ग्रामीणों को पानी के लिए दर-दर भटकने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से दम तोड़ रही पेयजल योजनाओं की मरम्मत कर ग्रामीणों को पेयजल उपलब्ध करवाए जाने की मांग की है। एकेश्वर के अंतर्गत सिमारखाल के आसपास के गांवों में विगत वर्ष हर घर जल, हर घर नल योजना के अंतर्गत लाखों रूपए खर्च कर नल तो बिछा दिए, लेकिन मुख्य स्त्रोतों पर कोई कार्य न होने से नलों में नियमित रूप से पानी नहीं आ रहा है। यही हाल ज्वाल्पा-चौबट्टाखाल पंपिग पेयजल योजना का भी बना हुआ है, पंपिंग योजना भी तकनीकी खामियों व उचित देखरेख के चलते ग्रामीणों को अपेक्षित लाभ देने में विफल साबित हो रही है। परिणाम स्वरूप सिमारखाल, नौगांवखाल, सुन्ना, हलांई, जणदा देवी समेत कई गांवों में पिछले एक सप्ताह से पानी की भारी किल्लत बनी हुई है। अधिकांश घरों के नल सूखे पड़े हैं, जिससे ग्रामीणों की दिनचर्या बुरी तरह प्रभावित हो गई है। खासकर महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है। सिमारखाल निवासी एवं पूर्व प्रधान भूपेंद्र सिंह ने बताया कि गांवों में पेयजल आपूर्ति पूरी तरह ठप है।

ऐसे में ग्रामीणों को प्राकृतिक जल स्त्रोतों जैसे धारे और नौलों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। कई लोगों को रोजाना कई किलोमीटर दूर जाकर पानी लाना पड़ रहा है, जिससे उनका कीमती समय और श्रम दोनों व्यर्थ हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि एक ओर सरकार हर घर तक पानी पहुंचाने का दावा कर रही है, वहीं जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। योजनाएं कागजों तक सीमित नजर आ रही हैं, जबकि आम जनता बुनियादी जरूरतों के लिए जूझ रही है।

सुखदेव शास्त्री बनें प्रधान

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत ध्रुवपुर स्थित आर्य समाज के वार्षिक चुनाव में सुखदेव शास्त्री को प्रधान व रामप्रकाश कौशिक को मंत्री चुना गया। इसके अलावा वीरेंद्र कुमार भारती को उपप्रधान, राजेंद्र सिंह को उपमंत्री, सच्चिदानंद शर्मा को कोषाध्यक्ष, परमानंद व उज्जवल खेतवाल को प्रचार मंत्री बनाया गया। रणजीत सिंह को लेखा निरीक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। महानंद, शूरवीर खेतवाल, रक्षा देवी, गुड्डी देवी को कार्यकारिणी का सदस्य बनाया गया।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है हमारा पुत्र अंकुश आनन्द आयु 34 वर्ष पुत्र अनिल कुमार निवासी काशीरामपुर, कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड हमारे कहने सुनने में नहीं है। हम अपने पुत्र अंकुश आनन्द को अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहे है। आज के उपरान्त हमारी सम्पत्ति पर हमारे उक्त पुत्र का कोई लेना देना नहीं होगा।

अनिल कुमार पुत्र स्व0 नाथूराम व निशा आनन्द पत्नी श्री अनिल कुमार निवासीगण काशीरामपुर, कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0511/21)

कार्यालय नगर पालिका परिषद पौड़ी, पौड़ी-गढ़वाल

संख्या- / न0पा0प0/निवि. सू.-2026/रा0वि0/दिनांकः मई 2026

निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद पौड़ी, द्वारा वर्ष 2025-026 हेतु पंजीकरण / पंजीकरण का नवीनीकरण करवाए हुए ठेकेदारों से राज्य वित्त/अन्य मदों के अंतर्गत निम्नलिखित कार्यों की सीलबन्द निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदायें दिनांक 20-05-2026 को अपराह्न 02:00 बजे तक कार्यालय नगर पालिका परिषद पौड़ी में प्राप्त की जायेंगी तथा दिनांक 21-05-2026 को अपराह्न 04:00 बजे उपस्थित ठेकेदारों एवं अधोहस्ताक्षरी / अधिकृत अधिकारी/गठित चयन समिति के समक्ष खोली जायेंगी।

निविदा प्रपत्र दिनांक 07-05-2026 से किसी भी कार्य दिवस को प्रातः 10:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक निर्धारित शुल्क जमा कर कार्यालय से प्राप्त किये जा सकते हैं। प्रत्येक कार्य की निविदा के साथ कार्य की लागत का 3 प्रतिशत टी.डी.आर./सी.डी.आर. / एन.एस.सी./ एफ.डी.आर. जो अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद पौड़ी के नाम बन्धक हो, लगानी अनिवार्य होगी। बिना धरोहर धनराशि वाली निविदाओं पर किसी भी प्रकार से कोई विचार नहीं किया जायेगा। किसी भी निविदा/समस्त निविदाओं को बिना किसी कारण बताये निरस्त / स्थगित करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित रहेगा ।

क्र. सं.	कार्य का नाम वार्ड सहित	धरोहर धनराशि	निविदा फार्म का मूल्य (+)18% g.s.t	निविदा की वैद्यता	कार्य की लागत (ला0 रू0 में)	कार्य पूर्ण करने का समय	ठेकेदारी श्रेणी
1.	वार्ड न0-01 पौड़ी सर्किट हाउस में विपिन बिष्ट के घर के निकट क्षतिग्रस्त दीवार एवं सीढ़ी का निर्माण कार्य।	21,000/-	1000.00	45 दिन	6.74 लाख	03 माह	सी0
2.	वार्ड न0-11 पौड़ी मल्लीराई में श्रीमती सुबती देवी के घर के पास नाला निर्माण कार्य।	25,700/-	1000.00	45 दिन	8.54 लाख	03 माह	बी0
3.	वार्ड न0-05 पौड़ी गांव में प्रवीण रैबारी के घर से शिवानी कैमीनी के घर तक दीवार और सी0सी0 रास्ते का निर्माण कार्य।	9,000/-	500.00	45 दिन	2.76 लाख	02 माह	डी0
4	वार्ड न0-06 पौड़ी में प्रदीप नेगी के घर के निकट कण्डोलिया से पुलिस लाईन मार्ग तक दीवार और रास्ते का निर्माण कार्य।	7500/-	500.00	45 दिन	2.19 लाख	02 माह	डी0
5	वार्ड न0-03 पौड़ी में च्वींचा गांव से पलियापनधारा तक दीवार, रास्ता एवं रैलिंग का निर्माण कार्य।	21,000/-	1000.00	45 दिन	6.93 लाख	03 माह	सी0
6	वार्ड न0-09 पौड़ी गांव रावत के घर से श्री जसपाल सिंह के घर तक मार्ग रैलिंग, दीवार एवं नाली का निर्माण कार्य।	24,000/-	1000.00	45 दिन	7.69 लाख	03 माह	बी0
7	वार्ड न0-09 पौड़ी में सतपाल धर्मशाला से बी0 मोहन के घर तक नाला निर्माण कार्य।	34500/-	1500.00	45 दिन	11.17 लाख	03 माह	ए0
8	वार्ड न0-08 में एम0आई0सी0 मार्ग में लक्ष्मण सिंह नेगी के घर के निकट दीवार निर्माण कार्य।	7500/-	500.00	45 दिन	2.45 लाख	02 माह	डी0
9	वार्ड न0-11 मल्लीराई पौड़ी में श्री अर्जुन सिंह के घर के निकट दीवार का निर्माण कार्य।	7500/-	500.00	45 दिन	2.50 लाख	02 माह	डी0
10	वार्ड न0-02 पौड़ी में वेडिंग प्वाईंट से सिद्धार्थ के घर की ओर जाने वाले रास्ते में गैस गोदाम के निकट दीवार, रास्ता और रैलिंग निर्माण कार्य।	15000/-	500.00	45 दिन	4.76 लाख	02 माह	सी0
11	वार्ड न0-11 पौड़ी में श्रीनगर रोड़ से राजेन्द्र नेगी के घर तथा बिचली राई रास्ते से अंकित नेगी के घर तक रास्ता, टाईल्स, रैलिंग एवं दीवार निर्माण कार्य।	21,000/-	1000.00	45 दिन	6.89 लाख	03 माह	सी0
12	वार्ड न0-10 पौड़ी में एम0आईसी0 स्कूल से अनीता काला के घर तक रास्ता, दीवार, टाईल्स, एवं रैलिंग निर्माण कार्य।	37500/-	1500.00	45 दिन	12.34 लाख	04 माह	ए0
13	वार्ड न0-11 मल्ली राई में श्री मुकेश नेगी के घर से कुलदीप सिंह के घर तक रास्ता, नाली, दीवार और रैलिंग निर्माण कार्य।	33300/-	1500.00	45 दिन	11.10 लाख	04 माह	ए0
14	वार्ड न0-10 पौड़ी में श्री सत्य सिंह के घर से (विजय लाल के घर के पास) मल्ली मार्ग, में रास्ता, टाईल्स, दीवार एवं रेलिंग निर्माण कार्य।	28500/-	1000.00	45 दिन	9.37 लाख	03 माह	बी0
15	वार्ड न-01 क्यूंकालेश्वर मंदिर में सौंदर्यकरण कार्य।	28500/-	1000.00	45 दिन	9.38 लाख	03 माह	बी0
16	वार्ड न0- पौड़ी में अकित भण्डारी के घर से कमला देवी के घर तक दीवार, सी0सी0 रास्ता एवं नाली का निर्माण कार्य।	13500/-	500.00	45 दिन	4.10 लाख	02 माह	सी0
17	नगर पालिका क्षेत्र पौड़ी में शौचालयों का पुर्ननिर्माण कार्य।	24000/-	1000.00	45 दिन	7.52 लाख	03 माह	बी0
18	वार्ड न0-08 बस अड्डा पौड़ी के निकट वाटर टैंक का निर्माण कार्य।	4500/-	500.00	45 दिन	1.31 लाख	01 माह	डी0
19	पौड़ी में एम0आई0सी0 मार्ग, खंकरियाल हाउस से आशी नेगी से राजू फील्डस वार्ड न-08 तक, रास्ता, आर0सी0 सी0 नाला का निर्माण कार्य।	23000/-	1000.00	45 दिन	7.53 लाख	03 माह	बी0
20	वार्ड न-06 पौड़ी पावर हाउस के निकट भारी बरसात के कारण क्षतिग्रस्त दीवार का निर्माण कार्य।	7000/–	500.00	45 दिन	2.16 लाख	02 माह	डी0
21	वार्ड न0-07 पौड़ी में शिशु मंदिर स्कूल से नीचे नाला निर्माण कार्य।	19000/-	1000.00	45 दिन	6.02 लाख	03 माह	सी0
22	नगर पालिका क्षेत्र के भीतर विभिन्न मोटर सड़कों पर पुरी तरह अवरूद्ध और बन्द पड़े स्कपर की सफाई का कार्य।	12500/-	500.00	45 दिन	4.09 लाख	03 माह	सी0
23	पौड़ी में वार्ड न0-11 में गडोली ढांढरी रोड से चरण गांव तक रास्ते की दीवार और रैलिंग कार्य।	36000/-	1500.00	45 दिन	11.72 लाख	04 माह	ए0
24	वार्ड न0-08 पौड़ी में डिग्री कॉलेज मार्ग और डा0 बी0आर0 रेड्डी मूर्ति स्थल परिसर के अन्तर्गत ईन्टरलॉकिंग टाईल्स का निर्माण कार्य।	22500/-	1000.00	45 दिन	7.21 लाख	03 माह	बी0
25	पौड़ी स्थित नगर पालिका क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले दर्शनीय स्थलों पर चित्रकारी का कार्य।	24000/-	1000.00	45 दिन	7.92 लाख	03 माह	बी0
26	पौड़ी में कण्डोलिया से विकास भवन तक जाने वाली सड़क पर बी0एम0 और एस0डी0बी0सी0 द्वारा सड़क सुदृढीकरण का कार्य।	75000/-	2000.00	45 दिन	24.93 लाख	02 माह	ए0
27	वार्ड न0-11 पौड़ी में सेंट थॉमस स्कूल कोटद्वार रोड़ संतन सिंह के घर के निकट नाले का पुर्ननिर्माण कार्य।	21000/-	1000.00	45 दिन	6.45 लाख	03 माह	सी0
28	वार्ड न0-05 लोअर बाजार पौड़ी में चौधराहट के निकट नाली निर्माण कार्य।	24000/-	1000.00	45 दिन	7.49 लाख	03 माह	बी0
29	वार्ड न0-01 पौड़ी में पित्र मौहल्ला में 9 एम0 स्पान पुलिया का निर्माण कार्य।	20500/-	1000.00	45 दिन	6.59 लाख	03 माह	सी0
30	वार्ड न0-5 में नगर पालिका विद्यालय संख्या 8 न्यू विकास कॉलोनी पौड़ी के पास जल निकासी आवरण का कार्य।	33000/-	1500.00	45 दिन	10.99 लाख	03 माह	ए0

शर्तेः– 1–निविदा फार्म के मूल्य का 18% प्रतिशत जी.एस.टी. के रूप में अतिरिक्त देय होगा।

2- निर्माण से सम्बन्धित समस्त सामग्री / उपकरण एवं अन्य निर्माण सम्बन्धी यंत्र आदि की व्यवस्था ठेकेदार के द्वारा स्वयं की जायेगी। पालिका द्वारा किसी भी प्रकार के उपकरण / सामग्री की आपूर्ति / व्यवस्था नहीं की जायेगी।

3- उपरोक्त के सम्बन्ध में अन्य जानकारियॉ कार्यालय नगर पालिका परिषद पौड़ी से ली जा सकती हैं। अनुबन्ध करते समय कुल धनराशि का 3 प्रतिशत राशि प्रत्येक निविदादाता को जमा करना अनिवार्य होगा।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद पौड़ी
पौड़ी गढ़वाल
(0147/55)

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद पौड़ी
पौड़ी गढ़वाल

दैनिक जयन्त-विचार

संपादकीय

बंगाल में "केसरिया" जादू

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम लेकिन सबकी नजर टिकी थी सिर्फ पश्चिम बंगाल पर। बंगाल पर कब्जा करने के लिए भारतीय जनता पार्टी का एक मैराथन संघर्ष, तो वहीं अपने घर को बचाने के लिए दीदी की भरसक कोशिश! पहले लगा था कि मुकाबला शायद कांटे का होगा लेकिन एग्जिट पोल से ही भाजपा के दमदार प्रदर्शन की तस्वीर साफ होने लगी थी लेकिन चुनाव परिणाम भाजपा के पक्ष में 200 के आंकड़े तक पहुंच जाएगा, इस अनुमान में अच्छे–अच्छे राजनीतिक धुरंधर भी मात खा गए। फिलहाल पश्चिम बंगाल अब भारतीय जनता पार्टी का है और इसे इस प्रदेश के विकास और डेमोग्राफी के लिए एक बड़े परिवर्तन का शुभारंभ माना जा रहा है। हालांकि हर बार की तरह सत्ता से बाहर हुए दल जीत के लिए विजेता पार्टी को हथकंडे अपनाने वाला, सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग करने के आरोपों में लपेटते और बयान देते नजर आएंगे और वही सब ममता दीदी भी कर रही हैं। अब तो यह निश्चित हो चुका है कि पश्चिम बंगाल में बीजेपी पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने जा रही है। परिणामों में इस बार बीजेपी को ढाई गुनी अधिक सीटें मिल रही हैं। इसी बीच ममता बनर्जी अपनी हताशा और आरोपी के शब्दों को दबा नहीं पा रही हैं। सत्ता का जाना बड़ा कष्टकारी लगता है और ममता बनर्जी आख़िर तक टिके रहने के भरम में रहीं? उधर बीजेपी ने जीत का जश्न मनाना शुरू कर दिया है। बंगाल की जीत उसके लिए कई कारणों से बड़ी जीत है मगर एक तरफ दूसरा पक्ष यह सवाल भी खड़े कर रहा है कि यह जीत किस आधार पर हासिल की गई है, केंद्रीय एजेंसियों, केंद्रीय बलों और चुनाव आयोग के एसआईआर का अपने तरीके से प्रयोग किया गया है। भारतीय जनता पार्टी ने साबित कर दिया है कि चुनाव चाहे उत्तराखंड व पुडुचेरी जैसे छोटे राज्य छोटा राज्य का हो या फिर बड़े राज्य का, वह मेहनत में कोई कमी नहीं छोड़ती। उनके पहली पंक्ति के नेता कड़कती धूप में अपना जिस्म जलाते हैं तो वही कार्यकर्ता पद और लालच से परे संगठन के लिए काम करते हैं। चुनाव सिर्फ एक दिन का नहीं होता 5 साल तक बीजेपी के कार्यकर्ता पश्चिम बंगाल में जान जोखिम में डालकर डटे रहे, वह भी टीएमसी की सरकार के बीच जो एक वर्ग के समर्थन में पश्चिम बंगाल की डेमोग्राफी को पूरी तरह से बिगड़ने के लिए जिम्मेदार पार्टी मानी जाती है। केवल पश्चिम बंगाल नहीं बल्कि असम और पुडुचेरी में भी भाजपा ने बहुमत हासिल करते हुए इस विधानसभा चुनाव में हैट्रिक मारी। कांग्रेस के हाथ से तमिलनाडु निकल चुका है वहाँ विजय थलापति की वापसी हुई है, केरल में कांग्रेस अकेले नहीं, गठबंधन के सहारे है। यही अंतर है भाजपा और कांग्रेस की लीडरशिप में कि जहां चुनाव परिणाम आने से पहले ही एक नेता विदेश चला जाता है तो वहीं भाजपा के नेता न केवल चुनाव प्रचार तक बल्कि परिणाम के बाद भी अपने कार्यकर्ताओं के बीच नजर आते हैं। बीजेपी को हराना है तो बीजेपी के मैनेजमेंट की तरह ही चुनाव लड़ना होगा। बहुमत की सरकार फैसले लेने में स्वतंत्रता होती है लेकिन अक्सर यही बहुमत का आंकड़ा सरकार को निरंकुश भी बनाता है इसलिए लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष का होना भी बहुत जरूरी है। पहली बार पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने जा रही है जो एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। उम्मीद की जाती है कि पश्चिम बंगाल में अब तक वोट बैंक बनाने के लिए जो हथकंडे अपने जाते रहे हैं, भारतीय जनता पार्टी की सरकार उनका पर्दाफाश करेगी और जबरन राज्य में घुसे लोगों को निकालने का काम भी शुरू होगा। पश्चिम बंगाल को उसकी पुरानी पहचान दिलाने की जिम्मेदारी भी अब इस नई सरकार पर होगी, बंगाल को अब रोहिंग्या से नहीं बल्कि उसके शानदार अतीत, साहित्य और कला के लिए मजबूत बुनियाद तैयार करने का काम नई सरकार को करना होगा।

अमेरिका में महंगाई और बेघर होते लोग

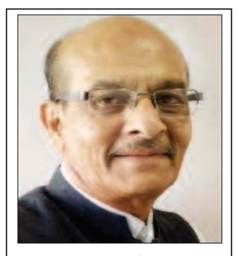

सनत जैन

विकास के बीच गहराती असमानता का संकट दुनिया की सबसे विकसित अर्थव्यवस्थाओं में गिने जाने वाले अमेरिका में बेघर लोगों की बढ़ती संख्या एक गहरी सामाजिक और आर्थिक विडंबना को उजागर करती है। तकनीकी प्रगति, उच्च आय और वैश्विक प्रभाव के बावजूद, देश का एक बड़ा वर्ग आज भी बुनियादी जरूरतों छत, भोजन और स्वास्थ्य से वंचित है। यह स्थिति केवल गरीबी का नहीं, बल्कि आर्थिक असमानता के बढ़ते अंतर का प्रत्यक्ष प्रमाण है। हाल के वर्षों में बेघर होना (होमलेसनेस) की समस्या तेजी से बढ़ी है। यह राजनीतिक जुमले नहीं हैं, जिसे एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल दिया जाए। बल्कि यू.एस. डिपार्टमेंट ऑफ हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट के आंकड़े हैं जो बताते हैं, कि लाखों लोग स्थायी आवास से वंचित हैं। इन बेघर इंसानों में बड़ी संख्या कामकाजी वर्ग की भी है। यह तथ्य विशेष रूप से चिंताजनक है कि रोजगार होने के बावजूद लोग घर नहीं ले पा रहे हैं। इसका मुख्य कारण आवास की आसमान छूती कीमतें और स्थिर या सीमित वेतन है। कुल मिलाकर महंगाई की मार अब बड़े स्तर पर भी देखने को मिलने लगी है। लॉस एंजिल्स, सैन फ्रांसिस्को और न्यूयॉर्क सिटी जैसे बड़े शहरों में स्थिति सबसे अधिक गंभीर है। यहां सड़कों, पुलों के नीचे, टेंट कॉलोनियों और अस्थायी शिविरों में रहने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इन महानगरों में किराया इतना अधिक हो चुका है कि न्यूनतम वेतन पाने वाला व्यक्ति एक साधारण घर का खर्च भी नहीं उठा सकता। वैश्विक मंदी के इस दौर में बढ़ती महंगाई इस संकट का प्रमुख कारण है, लेकिन इसके पीछे भी कई परस्पर कारण जुड़ते हैं। इनमें स्थिर आय, महंगी स्वास्थ्य सेवाएं, मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं और नशे की बढ़ती प्रवृत्ति को भी शामिल किया गया है। इन कारणों ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। कोविड-19 महामारी ने इस समस्या को और गहरा कर दिया, जब लाखों लोग बेरोजगार हो गए और उनकी आर्थिक सुरक्षा कमजोर पड़ गई। हालात को और चुनौतीपूर्ण बनाने में वैश्विक परिस्थितियों की भी भूमिका है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के मुख्य अर्थशास्त्री पियरे-ओलिवियर गोरिन्शास ने चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष लंबा खिंचता है, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ सकता है। तेल की कीमतों में वृद्धि और महंगाई में उछाल से आर्थिक वृद्धि दर घटकर लगभग 2 फीसद तक पहुंच सकती है, जो वैश्विक मंदी का सबसे बड़ा संकेत माना जाता है। ईरान के खिलाफ इजरायल के साथ मिलकर युद्ध शुरू करते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 'छोटी और निर्णायक' लड़ाई बताया था, लेकिन वास्तविकता कहीं अधिक जटिल साबित हो रही है। युद्ध, महंगाई और आर्थिक अनिश्चितता का सीधा असर आम नागरिकों, खासकर कमजोर वर्गों पर पड़ता है।

यह कौन नहीं जानता कि बेघर लोगों का जीवन अत्यंत कठिन और असुरक्षित होता है। उन्हें खुले आसमान के नीचे रहना पड़ता है, जहां सुरक्षा, स्वच्छता और स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव होता है। कई लोग अस्थायी आश्रयों पर निर्भर रहते हैं, लेकिन वहां भी सीमित जगह और संसाधनों के कारण सभी को सुविधा नहीं मिल पाती। सरकार और सामाजिक संस्थाएं इस समस्या के समाधान के लिए प्रयासरत हैं, लेकिन चुनौतियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। इस हालात में केवल अस्थायी राहत उपाय पर्याप्त नहीं हैं। सस्ती आवास योजनाएं, रोजगार के बेहतर अवसर, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और मानसिक स्वास्थ्य समर्थन को मजबूत करना आवश्यक है। अमेरिका का यह परिदृश्य एक व्यापक संदेश देता है, केवल आर्थिक विकास किसी समाज की समृद्धि का मापदंड नहीं हो सकता। जब तक विकास के लाभ समाज के सभी वर्गों तक समान रूप से नहीं पहुंचते, तब तक असमानता की खाई गहराती रहेगी। बेघर लोगों की बढ़ती संख्या इस बात का स्पष्ट संकेत है कि दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को अब अपने विकास मॉडल पर पुनर्विचार करना होगा। युद्ध की भाषा को त्यागकर सभी को साथ लेकर आगे बढ़ना होगा। अन्यथा, 'अमेरिकन ड्रीम' केवल एक सपना बनकर रह जाएगा, जिसे हकीकत में बदलने का अवसर हर नागरिक को

अस्थमा की वैश्विक त्रासदी: सबसे ज़्यादा भारत में दुनिया की 46प्र. मौतें

दिलीप कुमार पाठक

शहर की भागती भीड़ में अगर आप किसी चौराहे पर खड़े होकर गौर करें, तो आपको हर पांचवें-छठे बच्चे के कंधे पर लटके स्कूल बैग के किनारे से एक प्लास्टिक का इनहेलर झांकता मिल जाएगा। यह आज की वह कड़वी हकीकत है जिसे हम विकास की चकाचौंध में अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। हमने आलीशान हाईवे और चमकते एक्सप्रेस-वे तो बना लिए, हाथ में 5जी मोबाइल भी थाम लिया, लेकिन उसी हाथ में हमारे बच्चों के लिए नेबुलाइजर की पाइपें भी थमा दीं। हम विकास की ऐसी दौड़ में शामिल हो गए हैं जहां बैंक बैलेंस तो बढ़ रहा है, लेकिन फेफड़ों की उम्र घट रही है।

आज विश्व अस्थमा दिवस पर जब दुनिया इलाज की पहुंच की बात कर रही है, तो हमें यह पूछना होगा कि क्या हम वाकई बीमारी का इलाज ढूंढ रहे हैं या उस जड़ को ही खाद-पानी दे रहे हैं जो इस बीमारी को पैदा कर रही है?अस्थमा अब केवल जेनेटिक या पुरानी बीमारी नहीं रह गई है। यह विशुद्ध रूप से एक इकोलॉजिकल क्राइम यानी पर्यावरण के खिलाफ किए गए अपराध का नतीजा है। भारत की हवा में जो जहर घुल चुका है, वह सीधे हमारे फेफड़ों को नुकसान पहुंचा रहा है। प्रदूषण की बात चलते ही हमारी सुई अक्सर गाड़ियों के धुएं पर टिक जाती है, लेकिन हम उस मौसमी कहर को कैसे भूल सकते हैं जो उत्तर भारत के एक बड़े हिस्से का दम घोंट देता है? खेतों में जलती पराली ने अस्थमा के संकट को एक भयावह मोड़ दे दिया है। जब किसान भाई मजबूरन खेतों में आग लगाते हैं, तो वह काला धुआं सरहदों को नहीं पहचानता। वह धुआं स्मॉग बनकर हमारे घरों के ड्राइंग रूम तक घुस आता है, और तब सांस के मरीजों के लिए हर एक पल मौत से लड़ने जैसा होता है। विडंबना देखिए कि जिस मिट्टी से हमें अन्न मिलता है, उसी मिट्टी के ऊपर जलती आग हमारे मासूमों के फेफड़ों को झुलसा रही है। अगर आंकड़े देखें तो भारत में करीब 3 करोड़ से ज्यादा लोग अस्थमा से जूझ रहे हैं। सबसे भयावह तथ्य यह है कि दुनिया भर में अस्थमा से होने वाली मौतों में लगभग 46 प्रतिशत मौतें अकेले भारत में होती हैं। भारत में अस्थमा मरीजों की तादाद उतनी बड़ी समस्या नहीं है, जितनी कि उनसे होने वाली मौतों का आंकड़ा, जो दुनिया में सबसे ज्यादा है।

यह आंकड़ा डराने वाला कम और शर्मिंदा करने वाला ज्यादा है। यह बताता है कि हमारे यहां या तो बीमारी की पहचान बहुत देर से होती है, या फिर इलाज इतना महंगा और जटिल है कि आम आदमी की पहुंच से बाहर है। अस्थमा के साथ सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि इसके साथ एक सामाजिक कलंक जुड़ा है। आज भी कई माता-पिता यह स्वीकार करने को तैयार नहीं होते कि उनके बच्चे को दमा है। उन्हें लगता है कि इनहेलर की लत लग जाएगी। जबकि मेडिकल साइंस कहता है कि इनहेलर ही सबसे सटीक इलाज है क्योंकि यह सीधे प्रभावित नली पर काम करता है। दवाइयों की गोलियां पूरे शरीर में घूमकर असर करती हैं, जबकि इनहेलर सीधे फेफड़ों पर निशाना साधता है। समाज की इसी नासमझी और इलाज के डर ने इस बीमारी को घर-घर में घातक बना दिया है। प्रदूषण की मार केवल बाहर ही नहीं है, हमारे घरों के भीतर भी है। अगरबत्ती का धुआं, बंद कमरों की नमी और रसोई से निकलता धुआं ये सब अस्थमा के मरीजों के लिए साइलेंट किलर का काम करते हैं। इसके ऊपर से बढ़ती गर्मी और हीटवेव ने इस संकट को दोगुना कर दिया है। जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, हवा में ओजोन का स्तर और धूल के कण बढ़ते हैं, जो सांस की नलियों में सूजन पैदा कर देते हैं। अब समय केवल जागरूकता का नहीं, बल्कि जवाबदेही का है।

सरकार को पराली प्रबंधन के ऐसे विकल्प देने होंगे जो किसान की जेब पर भारी न पड़ें, और सड़कों की धूल के लिए सख्त नियम बनाने होंगे। लेकिन क्या सिर्फ कानून काफी हैं? नागरिक के तौर पर हमें सोचना होगा कि हम सिर्फ एसी चलाकर गर्मी से तो बच रहे हैं, पर बाहर की हवा को और जहरीला नहीं बना रहे? क्या हम कूड़ा जलाने या बेवजह गाड़ियां दौड़ाने से पहले अपनी अगली पीढ़ी के फेफड़ों का ख्याल कर रहे हैं? हमें समझना होगा कि अस्थमा का इलाज सिर्फ महंगी दवाओं में नहीं है, बल्कि उस हवा में है जिसे हम और आप साझा करते हैं। यदि आज हमने अपनी जीवनशैली और पर्यावरण को लेकर सख्त कदम नहीं उठाए, तो आने वाली नस्लें हमें माफ नहीं करेंगी। दवाएं तो शायद मिल जाएं, लेकिन कुदरती और खुली सांसों का कोई विकल्प नहीं है। आखिर हमारी तरक्की का क्या मतलब, अगर वह हमें खुली हवा में सुकून से सांस लेने के लायक भी न छोड़े?

(लेखक पत्रकार हैं)

ममता का किला ढहा, भगवा लहर का उदय

प्रियंका सौरभ

इस जीत के पीछे कई बहुआयामी कारक कार्यरत थे। सबसे पहले, एंटी-इनकंबेंसी लहर ने जोरदार तरीके से अपना प्रभाव दिखाया। ममता बनर्जी सरकार पर भ्रष्टाचार, कटमनी, घुसपैठ और राजनीतिक हिंसा के गंभीर आरोप लगे थे। विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) अभियान के तहत वोटर लिस्ट से 27 लाख कथित फर्जी नाम हटाए गए, जिसने बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे को केंद्र में ला खड़ा किया। मातुआ समुदाय–जो बांग्लादेशी हिंदू शरणार्थियों का सबसे बड़ा वोट बैंक है–ने नागरिकता संशोधन कानून (CAA) के कार्यान्वयन के बाद बीजेपी का पूर्ण समर्थन किया।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में बीजेपी ने 195+ सीटें जीतकर TMC के 15 वर्षीय शासन को उखाड़ फेंका। एंटी-इनकंबेंसी, घुसपैठ, भ्रष्टाचार और CAA ने मातुआ वोट एकजुट किया। ममता की 'अजेय' छवि टूटी, विपक्ष कमजोर। राष्ट्रीय INDIA गठबंधन प्रभावित, पूर्वी भारत में BJP विस्तार। नई सरकार विकास-कानूनव्यवस्था पर फोकस करेगी, परंतु हिंसा रोकना चुनौती। यह जीत लोकतंत्र में परिवर्तन का प्रतीक है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की ऐतिहासिक जीत ने न केवल ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 15 वर्षीय शासन को समाप्त कर दिया, बल्कि पूरे भारतीय राजनीति के परिदृश्य को हमेशा के लिए बदल दिया। रुझानों और अंतिम परिणामों के अनुसार, बीजेपी ने 294 सीटों वाली विधानसभा में 195 से अधिक सीटें हासिल कर स्पष्ट बहुमत प्राप्त कर लिया, जबकि टीएमसी 100 सीटों के आसपास सिमट गई। कांग्रेस और सीपीआई(एम) जैसे पारंपरिक विपक्षी दल क्रमशः 2-3 और 1-2 सीटों तक सीमित रह गए। यह परिणाम 2021 के चुनाव से पूरी तरह उलट हैं, जब टीएमसी ने 213 सीटों के साथ प्रचंड बहुमत हासिल किया था। बीजेपी का वोट शेयर 2016 के मात्र 10% से बढ़कर 2024 के लोकसभा चुनावों में 39% हो चुका था, और अब यह पूर्ण सत्ता में तब्दील हो गया।

इस जीत के पीछे कई बहुआयामी कारक कार्यरत थे। सबसे पहले, एंटी-इनकंबेंसी लहर ने जोरदार तरीके से अपना प्रभाव दिखाया। ममता बनर्जी सरकार पर भ्रष्टाचार, कटमनी, घुसपैठ और राजनीतिक हिंसा के गंभीर आरोप लगे थे। विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) अभियान के तहत वोटर लिस्ट से 27 लाख कथित फर्जी नाम हटाए गए, जिसने बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे को केंद्र में ला खड़ा किया। मातुआ समुदाय–जो बांग्लादेशी हिंदू शरणार्थियों का सबसे बड़ा वोट बैंक है–ने नागरिकता संशोधन कानून (CAA) के कार्यान्वयन के बाद बीजेपी का पूर्ण समर्थन किया। इसके अलावा, कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में TMC कार्यकताओं द्वारा हिंसा, ने गैर-टीएमसी मतदाताओं को एकजुट किया। पहले चरण में 92.88% का रिकॉर्ड मतदान इसी असंतोष का प्रमाण था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के आक्रामक प्रचार ने इस लहर को और तेज किया। मोदी ने 'अंग-बंग-कलिंग' (बंगाल, बिहार, ओडिशा) में बीजेपी शासन का नारा दिया, जबकि शाह ने 152 में से 110 सीटों पर बढ़त का दावा किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हिंदुत्व, विकास और 'बुलडोजर बाबा' की छवि के साथ हिंदू मतदाताओं को लामबंद किया। महिला आरक्षण बिल को केंद्र सरकार की विफलता बताने वाले विपक्षी दावों को बीजेपी ने पलटकर टीएमसी के कुशासन से जोड़ा। उच्च मतदान ने दबे हुए वोटरों–खासकर महिलाओं और युवाओं–को बाहर निकाला, जो टीएमसी के 'खेला होगा' नारे से प्रभावित नहीं हुए।

ममता बनर्जी की 'अजेय दीदी' वाली छवि इस हार के साथ पूरी तरह ध्वस्त हो गई। 2011 से बंगाल पर काबिज टीएमसी को अब विपक्ष की भूमिका निभानी पड़ेगी, जो उसके लिए अपरिचित चुनौती है। पार्टी में आंतरिक कलह की आशंका बढ़ गई है, क्योंकि शुभेंदु अधिकारी जैसे पूर्व TMC नेता बीजेपी में सफल साबित हुए। ममता ने एग्जिट पोल्स को 'बीजेपी का पेड नैरेटिव' करार दिया और केंद्र पर सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप लगाया, लेकिन रुझान सरकार गंवाने की ओर स्पष्ट इशारा कर रहे थे। टीएमसी ने चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाए, परंतु निष्पक्षता के प्रमाण–जैसे रिकॉर्ड मतदान–ने इन दावों को कमजोर कर दिया। भविष्य में टीएमसी का पुनर्गठन कठिन होगा, क्योंकि उसका जमीनी संगठन भ्रष्टाचार के दागों से ग्रस्त हो चुका है।

राष्ट्रीय स्तर पर इस जीत के मायने गहन हैं। 2024 लोकसभा चुनावों में सीमित बहुमत वाली मोदी 2.0 सरकार को बंगाल ने पूर्ण राज्य सरकार के रूप में मजबूत आधार प्रदान किया। पूर्वी भारत में बीजेपी का विस्तार–असम और बिहार के साथ अब बंगाल–हिंदुत्व और विकास मॉडल की अपार सफलता का प्रमाण है। INDIA गठबंधन कमजोर पड़ जाएगा, क्योंकि टीएमसी का राष्ट्रीय कद घटेगा। उत्तर प्रदेश 2027 और बिहार चुनावों पर इसका सीधा असर पड़ेगा, जहां बीजेपी मजबूत स्थिति में होगी। संघ परिवार की संगठनात्मक क्षमता ने क्षेत्रीय दलों को कड़ी टक्कर दी, जो भविष्य के चुनावी रणनीतियों को प्रभावित करेगी।

विपक्ष की स्थिति अब त्रिशंकु में आ गई है। कांग्रेस और वाम मोर्चा की नगण्य भूमिका 2021 से जारी रही, जो राष्ट्रीय विपक्ष की एकजुटता पर सवाल खड़े करती है। ममता का राजनीतिक करियर अब अनिश्चित है–क्या वे विपक्ष की नेता बनेंगी या पार्टी में नई पीढ़ी उभरेगी? विपक्ष को नई रणनीति अपनानी होगी: या तो कांग्रेस-वाम का मजबूत गठबंधन, या नया क्षेत्रीय मोर्चा। बंगाल अब बीजेपी का गढ़ बन चुका है, जिससे विपक्ष की आवाज राष्ट्रीय पटल पर और मद्धम हो गई।

सामाजिक-आर्थिक दृष्टि से, नई बीजेपी सरकार विकास, कानून-व्यवस्था और घुसपैठ रोक पर फोकस करेगी। मातुआ समुदाय को CAA के लाभ मिलेंगे, जबकि बंगाल की जर्जर अर्थव्यवस्था–जो टीएमसी के कुशासन से पीड़ित थी–को नई दिशा मिल सकती है। हालांकि, राजनीतिक हिंसा को समाप्त करना और बंगाली अस्मिता के साथ भगवा लहर का संतुलन बनाना प्रमुख चुनौतियां होंगी। महिलाओं, युवाओं और अल्पसंख्यकों के मुद्दे–जैसे आरक्षण, रोजगार और शिक्षा–नई सरकार के एजेंडे में रहेंगे। बंगाल की सांस्कृतिक विविधता को बनाए रखते हुए विकास मॉडल लागू करना होगा। भारतीय संस्कृति

भविष्य की संभावनाएं रोचक हैं। बीजेपी को आंतरिक कलह से बचना होगा, जो उसके बंगाल संगठन की पुरानी कमजोरी रही है। विपक्ष को पुनर्जनन की आवश्यकता है–शायद ममता के नेतृत्व में नया आक्रमक रुख या कांग्रेस का पुनरुद्धार। यह चुनाव सिद्ध करता है कि स्थानीय मुद्दे राष्ट्रीय एजेंडे को परिभाषित करते हैं। बंगाल ने साबित कर दिया कि परिवर्तन अपरिहार्य है, और लोकतंत्र में जनता की इच्छा सर्वोपरि होती है। यह जीत न केवल बीजेपी की रणनीतिक विजय है, बल्कि भारतीय राजनीति में एक नए युग की शुरूआत का प्रतीक है।

संक्षिप्त समाचार

इराक ने 14 वर्ष बाद सीरिया के रास्ते शुरू किया तेल निर्यात

बगदाद/दमिश्क, एजेंसी। इराक ने सीरिया के अल-यारूबियाह बॉर्डर क्रॉसिंग के जरिए तेल निर्यात फिर से शुरू कर दिया है। 70 टैंकरों का एक काफिला इस रास्ते से सीरिया में दाखिल हुआ, जो पिछले 14 वर्षों में इस मार्ग से पहला ऐसा शिपमेंट है। सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी एसएएनए के अनुसार, काफिले ने भूमध्यसागर तट पर स्थित बानियाज रिफाइनरी का रुख किया। अल-यारूबियाह क्रॉसिंग पर तैनात सीरियाई अधिकारी फेरास रुस्तम ने कहा कि '14 साल बाद इस क्रॉसिंग का फिर से खुलना इराक और सीरिया के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने की एक रणनीतिक पहल है।' उन्होंने यह भी जोड़ा कि इससे व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति को अधिक प्रभावी ढंग से सुगम बनाया जा सकेगा और दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक साझेदारी विकसित होगी। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब इराक अपने तेल निर्यात के लिए वैकल्पिक मार्ग तलाश रहा है, क्योंकि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज अमेरिका-इजरायल और ईरान के तनाव के चलते बंद है। ईरान पर मनमानी का आरोप लगाते हुए अमेरिका ने भी उसके कई बंदरगाहों पर नाकेबंदी कर दी है। इस बीच एक्सियोस ने कुछ अधिकारियों के हवाले से खबर छापी है, जिसके मुताबिक अमेरिका की समुद्री नाकाबंदी से ईरान को करीब 4.8 अरब डॉलर यानी लगभग 456 अरब रुपये (करीब 45,600 करोड़ रुपये) के तेल राजस्व का नुकसान हुआ है। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक यह आकलन अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) का है। यह बॉर्डर क्रॉसिंग, जिसे इराक में राबिया के नाम से जाना जाता है, 2011 में सीरियाई गृहयुद्ध शुरू होने के बाद बंद कर दी गई थी। बाद में 2014 में इस पर आईएसआईएल का कब्जा हो गया था, जिसे बाद में इराकी कुर्द बलों ने वापस ले लिया। इस बीच, सीरिया पेट्रोलियम कंपनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए परिचालन क्षमता बढ़ाने की बात कही है। उनके मुताबिक आपूर्ति की गति तेज करने के लिए अहम कदम उठाए गए हैं। बनियाज रिफाइनरी पर तकनीकी और इंजीनियरिंग कार्यों के बाद अब रोजाना लगभग 500 इराकी टैंकरों को अनलोड किया जा रहा है। इन सुधारों से रिफाइनरी की परिचालन क्षमता में करीब 30 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

ईरान ने इजरायल के लिए जासूसी करने के आरोप में 2 और लोगों को दी फांसी

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने दो और व्यक्तियों को इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद के लिए जासूसी करने का दोषी पाए जाने पर फांसी दे दी है। ईरानी न्यायपालिका की समाचार एजेंसी मिजान के अनुसार, इन दोनों की सजा को देश की सुप्रीम कोर्ट ने भी बरकरार रखा था। फांसी दिए गए लोगों की पहचान याकूब करिमपुर और नासेर बेकरजादेह के रूप में हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, करिमपुर पर आरोप था कि उसने युद्ध के दौरान संवेदनशील जानकारी एक मोसाद अधिकारी को भेजी और कुछ सैन्य गतिविधियों से जुड़ी सूचनाएं साझा कीं। उस पर यह भी आरोप लगाया गया कि उसने सैन्य ठिकानों की वीडियो रिकॉर्डिंग की, गलत जानकारी देकर सुरक्षा एजेंसियों को गुमराह किया और कुछ हमलों से जुड़े कामों में भूमिका निभाई। इसके बदले उसे पैसे भी मिले थे। दूसरे आरोपी बेकरजादेह पर आरोप था कि उसने सरकारी इमारतों, सुरक्षा ठिकानों और महत्वपूर्ण अधिकारियों से जुड़ी तस्वीरें और वीडियो साझा किए। उसने यह जानकारी मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स और ईमेल के जरिए भेजी और इसके बदले आर्थिक लाभ लिया। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब हाल ही मेंईरान, अमेरिका और इज़राइलके बीच संघर्ष हुआ था। फरवरी में शुरू हुए इस टकराव के बाद अप्रैल में युद्धविराम की घोषणा की गई थी, लेकिन क्षेत्र में तनाव अभी भी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है।

अमेरिका के प्रहार से मेक्सिको की सत्ता में भूचाल, गवर्नर और मेयर ने छोड़ी कुर्सी

मेक्सिको सिटी, एजेंसी। अमेरिका द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी का आरोप लगाए जाने के बाद मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम की पार्टी के दो सदस्यों ने अपने पद से अस्थायी रूप से हटने की घोषणा की है। उत्तर पश्चिमी सिनालोआ राज्य से शिनबाम की पार्टी के इन सदस्यों ने बताया कि अमेरिका ने उन पर और आठ अन्य नेताओं एवं सुरक्षा अधिकारियों पर मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप लगाए हैं। शुक्रवार मध्यरात्रि को जारी एक वीडियो संदेश में अभियोग में नामित गवर्नर रुबेन रोचा मोया ने उन आरोपों का खंडन किया कि उन्होंने मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह 'सिनालोआ कार्टल' को संरक्षण दिया और लाखों डॉलर की रिश्वत के बदले में उसे अमेरिका में मादक पदार्थों की तस्करी में मदद की। पूर्व राष्ट्रपति एंड्रेस मैनुअल लोपेज ओब्राडोर के लंबे समय से सहयोगी रहे 76 वर्षीय रोचा ने कहा, ' 'मेरा ईमान साफ है।

ईरान ने अमेरिका को 14 सूत्रीय प्रस्ताव भेजा, नाकाबंदी हटाने और हर मोर्चे पर युद्ध खत्म करने की रखी शर्त

तेहरान, एजेंसी। तस्नीम न्यूज़ एजेंसी के मुताबिक ईरान ने अमेरिका को एक 14-पॉइंट प्लान सौंपा है, जिसमें लेबनान समेत सभी मोर्चों पर युद्ध खत्म करने के मकसद से एक बड़ा फ्रेमवर्क बताया गया है. यह प्रस्ताव अमेरिका के पहले भेजे गए नौ-पॉइंट प्लान के जवाब में आया है. इसमें कथित तौर पर सीजफायर के लिए दो महीने का टाइमलाइन शामिल था. हालांकि, कहा जाता है कि तेहरान ने किसी भी लंबे अंतरिम इंतजाम को मना कर दिया है, और इसके बजाय इस बात पर जोर दिया है कि 30 दिनों के अंदर एक पूरा समाधान निकाला जाए. इसे अस्थायी युद्धविराम के बजाय युद्ध के स्थायी अंत के आस-पास बनाया जाए. रिपोर्ट के मुताबिक ईरान के प्रस्ताव में पक्की सुरक्षा गारंटी शामिल है, जो ईरान के खिलाफ भविष्य में किसी भी मिलिट्री हमले पर रोक लगाएगी और इसके आस-पास के माहौल से अमेरिका की सेना को वापस बुलाना जरूरी करेगी. इसमें मौजूदा नेवी पाबंदियों और ब्लॉकेड को हटाने के साथ-साथ विदेशों में जमा ईरानी एसेट्स को रिलीज करने और ईरान द्वारा बैन और मिलिट्री दबाव के कारण हुए नुकसान के लिए मुआवजा देने की भी बात कही गई है. आर्थिक तौर पर इस प्लान में ईरान पर लगाए गए सभी अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध को पूरी तरह हटाने की मांग की गई है. इलाके के हिसाब से यह प्रस्ताव ईरान-अमेरिका तनाव से आगे बढ़कर सभी मोर्चों पर युद्ध को

खत्म करने की मांग करता है, जिसमें लेबनान से जुड़े झगड़े भी शामिल हैं. यह होर्मुज जलडमरूमध्य के लिए एक नया गवर्निंग सिस्टम बनाने का भी सुझाव देता है, जो एक जरूरी ग्लोबल तेल ट्रांजिट चोकपॉइंट है. इसका मकसद स्थिरता और बिना रुकावट समुद्री बहाव पक्का करना है, जैसा कि तस्नीम ने बताया है. रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि ईरान अब वाशिंगटन से ऑफिशियल जवाब का इंतजार कर रहा है. इस बीच ईरान के लीगल और इंटरनेशनल मामलों के डिप्टी विदेश मंत्री काजम गरीबाबादी ने शनिवार को कन्फर्म किया कि तेहरान का हाल ही में अमेरिका को दिया गया राजनयिक प्रस्ताव जो पाकिस्तान के जरिए एक मीडिएटर के तौर पर पेश किया गया है, उसका मकसद थोपे गए युद्ध को हमेशा के लिए खत्म करना और दोनों देशों के बीच चल रहे तनाव को खत्म करना है. स्टेट ब्रॉडकास्टर, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग के मुताबिक यह बात तेहरान में मौजूद विदेशी डिप्लोमैट्स और एम्बेसडर की एक मीटिंग में कही गई, जहां गरीबाबादी ने डिप्लोमैटिक बातचीत और किसी भी संभावित मिलिट्री हमले, दोनों के लिए ईरान की तैयारी पर जोर दिया. इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग के मुताबिक डिप्टी मिनिस्टर ने कहा, 'ईरान ने हमेशा मौजूदा मुद्दों को सुलझाने के लिए इंटरेस्ट-बेस्ड डिप्लोमेसी में विश्वास किया और अपनी भूमिका निभाई.' उन्होंने आगे कहा, 'ईरान ने पाकिस्तान को एक मीडिएटर के तौर पर अपना प्लान पेश किया. इसका मकसद थोपे गए युद्ध को हमेशा के लिए खत्म करना है, और अब गेंद अमेरिका के पाले में है कि वह राजनयिक का रास्ता चुने या टकराव वाला तरीका जारी रखे.' गरीबाबादी ने कहा कि तेहरान राजनयिक तरीके से बातचीत करने के लिए तैयार है, लेकिन वह अमेरिका पर गहरा भरोसा नहीं करता और ईमानदार और मतलब वाली बातचीत के उसके कमिटमेंट पर सवाल उठाता है. इस बीच, अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को ईरान के नए प्रस्ताव पर नाखुशी जाहिर की. इसका मकसद चल रहे युद्ध को खत्म करना है, साथ ही इस बात पर भी शक जताया कि क्या कोई आखिरी समझौता हो पाएगा. व्हाइट हाउस में रिपोर्टर्स से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, 'वे एक डील करना चाहते हैं, लेकिन मैं इससे खुश नहीं हूं, इसलिए देखते हैं क्या होता है।

टैंकर ट्रैकर्स फर्म का दावा, 'ईरानी सुपरटैंकर ने यूएस नाकाबंदी को दिया चकमा'

तेहरान, एजेंसी। ईरान का एक सुपरटैंकर अमेरिकी नाकेबंदी को चकमा देकर एशिया-प्रशांत क्षेत्र तक पहुंच गया है। मॉनिटरिंग फर्म 'टैंकरट्रैकर्सडॉटकॉम' के अनुसार, जहाज लगभग 1.9 मिलियन बैरल कच्चा तेल लेकर वहां से निकल गया। इसकी कीमत करीब 220 मिलियन डॉलर (लगभग 220 मिलियन डॉलर) आंकी गई है। यह वेरी लार्ज क्रूड कैरियर (वीएलसीसी) नेशनल इरानियन टैंकर कंपनी का बताया जा रहा है, जिसे 'ह्यूज' नाम से पहचाना गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इसे आखिरी बार डेढ़ हफ्ते पहले श्रीलंका के पास देखा गया था। फिलहाल यह जहाज लोमबोक स्ट्रेट से गुजरते हुए रिओ आर्किपेलेगो (द्वीप समूह) की ओर बढ़ रहा है। टैंकरट्रैकर्सडॉटकॉम ने बताया कि 13 अप्रैल को जब अमेरिकी नौसेना ने ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी की घोषणा की, उस समय यह टैंकर ईरानी जलक्षेत्र में था। इससे पहले 20 मार्च को स्ट्रेट ऑफ मलाका से ईरान के लिए रवाना होने के बाद से इसने अपने ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम (एआईएस) को बंद कर दिया था, जिससे इसकी लोकेशन ट्रैक करना मुश्किल हो गया था। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब ईरानी सरकारी

मीडिया ने 29 अप्रैल को दावा किया था कि कम से कम 52 ईरानी जहाज अमेरिकी नाकेबंदी को तोड़ने में सफल रहे हैं। वहीं अमेरिकी सैन्य अधिकारियों का कहना है कि नाकेबंदी शुरू होने के बाद से उन्होंने ईरान से जुड़े करीब 41 जहाजों को वापस लौटने पर मजबूर किया है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, यह नाकेबंदी प्रभावी साबित हो रही है और इससे ईरान को अरबों डॉलर का नुकसान हुआ है। उनका कहना है कि ईरान तेल निर्यात करने में असमर्थ हो रहा है और उसे उत्पादन रोकने से पहले तेल को स्टोर करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। शनिवार को ही एक्सियोस ने कुछ अधिकारियों के हवाले से खबर प्रकाशित की, जिसमें दावा किया गया कि अमेरिका की समुद्री नाकाबंदी से ईरान को करीब 4.8 अरब डॉलर यानी लगभग 456 अरब रुपए (करीब 45,600 करोड़ रुपए) के तेल राजस्व का नुकसान हुआ है। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक यह आकलन अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) का है।

किंग्स्टन पहुंचकर खुशी हुई', तीन कैरिबियाई देशों की यात्रा के पहले चरण में जमैका पहुंचे जयशंकर

किंग्स्टन , एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर शनिवार को जमैका पहुंचे। यह उनकी इस कैरिबियाई देश की पहली आधिकारिक यात्रा है। इस दौरान वह जमैका के नेतृत्व, व्यापार जगत और भारतीय मूल के लोगों से मुलाकात करेंगे। किंग्स्टन पहुंचने पर जयशंकर ने क्या कहा? जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, किंग्स्टन पहुंचकर बहुत खुशी हुई। यह मेरी जमैका की पहली यात्रा है। उन्होंने आगे कहा, विदेश मंत्री कामिना जे स्मिथ की ओर से किए गए गर्मजोशी भरे स्वागत से मैं प्रभावित हूं। उन्होंने यह भी कहा कि वह इस दो दिवसीय यात्रा के दौरान कई अहम बैठकों के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने लिखा, अगले दो दिनों में मैं जमैका के नेताओं, व्यापार समुदाय और भारतीय प्रवासी लोगों से मिलने की प्रतीक्षा कर रहा हूं। इससे पहले, अपने कैरिबियाई दौरे के दौरान विदेश मंत्री जयशंकर ने स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में एक छोटा सा ठहराव किया। वह इस समय जमैका, सूरीनाम और त्रिनिदाद और टोबैगो की तीन देशों की आधिकारिक यात्रा पर हैं। विदेश मंत्रालय ने जयशंकर के दौरे पर क्या कहा? विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह यात्रा 2 मई से 10 मई तक चलेगी। मंत्रालय ने बताया कि यह दौरा भारत और इन देशों के बीच ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करेगा, खासकर गिरमिटिया समुदाय की वजह से। इस यात्रा के दौरान जयशंकर तीनों देशों के नेताओं से मिलेंगे और अपने समकक्ष मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय संबंधों, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। मंत्रालय ने कहा कि यह यात्रा भारत के इन देशों के साथ राजनीतिक संबंधों को और मजबूत करने और लंबे समय से चले आ रहे मित्रतापूर्ण संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए है। यह यात्रा दक्षिण-दक्षिण सहयोग और विकास के प्रति साझा प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है।

लेबनान में इजराइल का बड़ा हमला, हिज्बुल्लाह से जुड़े 50 ठिकाने तबाह

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइली सेना ने कहा कि उसने शनिवार को दक्षिणी लेबनान में टारगेट पर कई हमले किए. इजराइली रक्षा बल ने कहा कि उसकी सेना ने पिछले दिन दक्षिणी लेबनान में हिज्बुल्लाह से जुड़ी कई जगहों पर हमले किये. इसे उसने हमलों की प्लानिंग और सपोर्ट करने के लिए इस्तेमाल होने वाले 'मिलिटेंट इंफ्रास्ट्रक्चर' बताया.

इजराइली रक्षा बल ने कहा, 'पिछले दिन (शनिवार) आईडीएफ ने हिज़्बुल्लाह से जुड़े कई ठिकानों पर हमले किये और उन्हें खत्म कर दिया.' इसमें यह भी कहा गया कि कई इलाकों में करीब 70 मिलिट्री स्ट्रक्चर और लगभग 50 हिज़्बुल्लाह से जुड़े ठिकानों को खत्म कर दिया गया. इजराइली रक्षा बल के मुताबिक टारगेट में कमांड सेंटर, हथियार रखने की जगहें, मिलिट्री बिल्डिंग और दूसरी जगहें शामिल थी. इनका इस्तेमाल कथित तौर पर इजराइली सेना के खिलाफ हमलों को आगे बढ़ाने के लिए किया जाता था. बयान में कहा गया, 'इजराइली रक्षा बल

राजनीतिक स्तर के निर्देशों के अनुसार इजराइली नागरिकों और इजराइली रक्षा बल सैनिकों को मिलने वाले खतरों के खिलाफ काम करना जारी रखेगा.' एक अलग घटनाक्रम में आईडीएफ ने दक्षिणी गाजा पट्टी में हुई घटनाओं की रिपोर्ट करते हुए कहा कि सैनिकों ने चार लड़ाकों की पहचान की जो येलो लाइन पार करके इजराइली ठिकानों के पास पहुँचे थे. इसमें आगे कहा गया, 'पहचान के बाद सैनिकों ने खतरे को खत्म करने के लिए लड़ाकों पर फायरिंग की. तीन लड़ाके मारे गए और एक और हिट की पहचान की गई.' आईडीएफ ने कहा कि उसकी सदर्न कमांड फोर्स सीजफायर एग्रीमेंट के अनुसार तैनात है और तुरंत आने वाले खतरों का मुकाबला करने के लिए ऑपरेशन जारी रखेगी. ये डेवलपमेंट हिज़्बुल्लाह लीडरशिप के कड़े रुख के बीच हो रहे हैं. हिज़्बुल्लाह चीफ नईम कासिम ने 27 अप्रैल को अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार इजराइल के साथ सीधी बातचीत में शामिल होने से ग्रुप के इनकार को दोहराया और इजराइली आक्रमण के खिलाफ लगातार विरोध पर जोर दिया. कासिम ने कहा कि सीधी बातचीत अभी भी सवाल से बाहर है और ग्रुप के मिलिट्री रुख पर जोर देते हुए कहा, 'हम हथियार नहीं छोड़ेंगे, और डिफेंस और फील्ड ने टकराव के लिए हमारी तैयारी साबित कर दी है.' अल जजीरा के मुताबिक हिज़्बुल्लाह चीफ ने लेबनान सरकार के डिप्लोमैटिक तरीके की भी बुराई की. उन्होंने आगे कहा, 'अधिकारियों ने बिना वजह और बिना वजह रियायत देने की जल्दबाजी की और हम सीधी बातचीत से साफ मना करते हैं. अधिकारियों को सीधी बातचीत बंद करके इनडायरेक्ट बातचीत का रास्ता अपनाना चाहिए.' मौजूदा सिक्योरिटी सिस्टम की कमज़ोरी को इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने और भी ज़्यादा हाईलाइट किया, जिन्होंने 26 अप्रैल को कहा कि लेबनान में सीजफायर के इंतजाम को हिज़्बुल्लाह कमजोर कर रहा है. नेतन्याहू ने चेतावनी दी कि इजराइल उत्तरी बॉर्डर पर सिक्योरिटी पक्का करने के लिए ताकत से जवाब देगा, और कहा कि इसके उलट सोच के बावजूद, आईडीएफ एक्टिव रूप से शामिल है. प्रधानमंत्री ने कहा, 'लेबनान के बारे में किसी को यह लग सकता है।

राष्ट्रपति ट्रंप बोले- ईरान प्रस्ताव पर विचार जारी, समझौते के साथ सैन्य कार्रवाई की भी चेतावनी

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में संघर्ष विराम के लिए अमेरिका और ईरान नए प्रस्ताव पर आगे बढ़ सकते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह ईरान के साथ संघर्ष खत्म करने के लिए आए नए प्रस्ताव की समीक्षा कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने आगे सैन्य और रणनीतिक कार्रवाई की भी चेतावनी दी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाम बीच से रवाना होने से पहले एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने कहा, 'ईरान के मामले में हम बहुत अच्छा कर रहे हैं। वे समझौता करना चाहते हैं।' ट्रंप ने पुष्टि की कि वह तेहरान के कथित 14-सूत्रीय प्रस्ताव की समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने संकेत

दिया कि अमेरिका आगे सैन्य और रणनीतिक कदमों पर भी विचार कर सकता है, जिसमें तेहरान की बची हुई मिसाइल क्षमता को समाप्त करना और यूरोप में अमेरिकी सैनिकों की संख्या कम करना शामिल है। उसी बातचीत में राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को कमजोर बताया। उन्होंने कहा, 'वे समझौता करना चाहते हैं, वे कमजोर हो चुके हैं। उन्हें यह तय करने में मुश्किल हो रही है कि उनका नेता कौन है।' ईरान की बची हुई मिसाइल क्षमता के बारे में पूछे जाने पर डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह इसे खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं इसे खत्म करना चाहूंगा। यह उनके लिए फिर से आगे बढ़ने की एक शुरुआत होगी और हां, मैं इसे खत्म करना चाहूंगा।' उन्होंने आगे की अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के लिए शर्तों को स्पष्ट करने से इनकार कर दिया, लेकिन उन्होंने इसकी संभावना से भी इनकार नहीं किया। उन्होंने कहा, 'अगर वे गलत व्यवहार करते हैं और कुछ बुरा करते हैं, तो निश्चित रूप से सैन्य कार्रवाई संभव है। इसी बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति ने क्षेत्र में जारी अमेरिकी कार्रवाइयों का बचाव किया और उन्हें स्थिर बताया। उन्होंने कहा, 'यह एक बहुत ही मैत्रीपूर्ण नाकाबंदी है। कोई भी इसे चुनौती नहीं दे रहा है। हालांकि, आर्थिक मोर्चे पर उन्होंने यह संभावना भी जताई कि अमेरिकी ऊर्जा कंपनियां ईरान में काम कर सकती हैं। वहीं, उन्होंने अमेरिका से तेल की भारी खेप भेजे जाने की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, 'हमारे बहुत सारे जहाज टेक्सास और लुइसियाना आ रहे हैं। सैकड़ों जहाज कतार में हैं। हम बहुत सारा तेल बेच रहे हैं।

गाजा प्रदर्शन पर सख्ती के संकेत, स्टार्मर बोले- उकसाने वाले नारों पर होगा एक्शन

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर ने गाजा युद्ध के समर्थन में हो रहे प्रदर्शनों को लेकर सख्त रुख अपनाने की बात कही है। उन्होंने साफ कहा कि देश में विरोध प्रदर्शन का अधिकार तो रहेगा, लेकिन अगर कुछ नारे या गतिविधियां लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा बनती हैं, तो सरकार को कड़ी कार्रवाई करनी पड़ेगी। लंदन में हाल ही में दो यहूदी नागरिकों पर चाकू से हमला हुआ, जिसके बाद हालात और ज्यादा संवेदनशील हो गए हैं। यह हमला गोल्डर्स ग्रीन इलाके में हुआ, जिसे ब्रिटेन में यहूदी समुदाय का प्रमुख केंद्र माना जाता है। पुलिस ने इस घटना को आतंकवादी हमला बताया है और एक 45 वर्षीय आरोपी पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया गया है।

'उकसाने वाले नारों पर होगा एक्शन' : ब्रिटिशी पीएम कीएर स्टार्मर ने खास तौर पर 'ग्लोबलाइज द इंतिफादा' जैसे नारों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि ऐसे नारे लोगों को उकसाने वाले हो सकते हैं, इसलिए इन पर सख्ती जरूरी है। उनका कहना है कि लगातार हो रहे गाजा समर्थक प्रदर्शनों का एक असर पड़ा है, जिससे यहूदी विरोधी घटनाएं बढ़ी हैं।

ब्रिटेन में आतंकवादी खतरे का स्तर बढ़ाया गया : ब्रिटेन के शीर्ष पुलिस अधिकारी मार्क राउली ने भी चेतावनी दी है कि देश में यहूदी समुदाय इस समय सबसे बड़े खतरे का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा

कि अलग-अलग तरह के चरमपंथी समूह, चाहे वे वामपंथी हों, दक्षिणपंथी हों या इस्लामिक आतंकवादी, सभी यहूदियों को निशाना बना रहे हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ब्रिटेन में आतंकवादी खतरे का स्तर 'सब्सटैंशियल' से बढ़ाकर 'गंभीर' कर दिया गया है। इसका मतलब है कि आने वाले छह महीनों में आतंकी हमले की आशंका काफी ज्यादा मानी जा रही है।

2023 में इस्राइल पर हमले के बाद से बढ़ी घटनाएं : रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2023 में इस्राइल पर हुए हमले और उसके बाद शुरू हुए गाजा युद्ध के बाद से ब्रिटेन में यहूदी विरोधी घटनाओं में तेज बढ़ोतरी हुई है। एक संस्था के अनुसार, 2025 में ऐसे करीब 3700 मामले सामने आए, जबकि 2022 में यह संख्या 1662 थी। कुल मिलाकर, ब्रिटेन में गाजा युद्ध को लेकर चल रहे विरोध प्रदर्शनों और बढ़ती हिंसा के बीच सरकार अब कानून-व्यवस्था को लेकर ज्यादा सख्त रुख अपनाने की तैयारी में है।

बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप: चार और बच्चों की मौत, मरने वालों का आंकड़ा 280

ढाका , एजेंसी। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने घोषणा की है कि खसरे के लक्षणों के कारण चार और बच्चों की मौत हो गई है. इसके साथ ही 15 मार्च से अब तक मरने वालों की संख्या 280 हो गई है, क्योंकि देश अभी भी इस बीमारी से जूझ रहा है. डीजीएचएस के डेटा का हवाला देते हुए, स्थानीय मीडिया ने बताया कि शुक्रवार तक 24 घंटे में खसरे के 170 नए संदिग्ध मामले सामने आए, जिससे कुल संदिग्ध मामलों की संख्या 38,301 हो गई. डीजीएचएस ने इसी समय में खसरे के 115 नए कन्फर्म मामले दर्ज किए, जिससे कुल कन्फर्म इन्फेक्शन के मामलों की संख्या बढ़कर 5,146 हो गई. 15 मार्च से अब तक हुई कुल मौतों में से 49 कन्फर्म खसरे से हुई मौतें थीं, जबकि 231 मौतें कथित तौर पर संदिग्ध मामलों में हुईं. बांग्लादेश के अखबार, द ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, नए पहचाने गए 1,170 संदिग्ध मामलों में से 942 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि 893 को छुट्टी दे दी गई. पिछले महीने, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बांग्लादेश में चल रहे मीजल्स के प्रकोप को कंट्रोल करने के लिए तुरंत कदम उठाने को कहा था, और चेतावनी दी थी कि बेहतर निगरानी, ??तेज रिस्पॉन्स सिस्टम और बेहतर वैक्सीनेशन के बिना यह बीमारी फैलने की संभावना है.

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, डब्ल्यूएचओ ने बांग्लादेशी अधिकारियों को सलाह दी है कि वे सभी नगर पालिकाओं में खसरे वाली वैक्सीन की दोनों डोज का कम से कम 95 प्रतिशत कवरेज पक्का करें, साथ ही सरकारी और प्राइवेट हेल्थकेयर सुविधाओं में संदिग्ध मामलों की जल्दी पहचान करने के लिए मजबूत एकीकृत निगरानी प्रणालियां भी बनाएं.

हाल ही में, एक रिपोर्ट में बताया गया है कि बांग्लादेश का स्वास्थ्य क्षेत्र, जो दशकों

से बना है, अगर सुधार के कदम नहीं उठाए गए तो कुछ ही सालों में खत्म होने का खतरा है. बांग्लादेश के जाने-माने अखबार 'द डेली स्टार' के मुताबिक, दक्षिण एशियाई देश में अभी का मीजल्स वैक्सीन संकट सिर्फ एक अलग रुकावट नहीं है, बल्कि यह इंस्टीट्यूशनल कमजोरी को दिखाता है. 2010 और 2022 के बीच 85-92 प्रतिशत से, 2025 में राष्ट्रीय टीकाकरण कवरेज घटकर लगभग 60 प्रतिशत रह जाएगा जो लगभग एक दशक में सबसे कम है. बांग्लादेश का टीकाकरण पर विस्तारित कार्यक्रम लंबे समय से देश की सबसे मशहूर पब्लिक हेल्थ सफलताओं में से एक रही है. सरकार के लगातार प्रतिबद्धता, मजबूत विकास साझेदारी और अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कार्यकर्ता के बड़े नेटवर्क पर बने इस सिस्टम ने लगातार ज़्यादा कवरेज दिया और वैक्सीन से रोकी जा सकने वाली बीमारियों के मामलों में तेजी से कमी लाई. रिपोर्ट में बताया गया है, 'सालों तक इसने देश को विकासशील दुनिया के लिए एक मॉडल के तौर पर पेश किया. अब वह मॉडल खत्म किया जा रहा है. बढ़ती मौतों के बीच, एक्सपर्ट्स ने सरकार से तुरंत एक्शन लेने की अपील की है, और चेतावनी दी है कि अगर एक्शन नहीं लिया गया तो खसरे का फैलाव बड़े पैमाने पर हो सकता है, क्योंकि एक मरीज 16 से 18 लोगों को संक्रमित कर सकता है।

क्या आप भी घर के आंगन को देना चाहती है खूबसूरत लुक, तो इन बेकार चीजों का इस तरह करें इस्तेमाल

हर कोई अपने घर को सुंदर बनाना चाहता है। ऐसे में घर को खूबसूरत बनाने के लिए हर छोटी-छोटी बात का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। अगर आप भी अपने घर के आंगन को आकर्षक बनाना चाहते हैं तो यह खबर आपके लिए है। आज हम आपको कुछ टिप्स बताएंगे, जिनकी मदद से आप घर के उस हिस्से को सजा सकते हैं जहां सबसे ज्यादा लोग आते-जाते हैं।

अपने यार्ड को ऐसे बनाएं खूबसूरत

आंगन घर की सुंदरता में चार चांद लगा देता है। इसे खूबसूरत बनाने के लिए आप कई तरह के पौधे, फूल और सजावटी सामान का इस्तेमाल कर सकते हैं। सबसे पहले आप किसी भी दुकान या नर्सरी से रंग-बिरंगे फूलों के गमले लाकर अपने घर के आंगन में रख सकते हैं। आजकल बाजार में सजावट के लिए भी एक से एक पौधे आसानी से उपलब्ध हैं।

दीवारों पर बेलें लगाएँ

आप आंगन की दीवारों को सुंदर बनाने के लिए मनी प्लांट, मोगरा जैसी कई सुगंधित लताएं लगा सकते हैं। इससे आंगन की दीवारें चमक उठेंगी। आप आंगन के बाहर बाउंड्री पर नींबू, संतरा या आम जैसे छोटे पेड़ लगा सकते हैं। यह पेड़ आपके यार्ड को हरा-भरा बना देगा और घर आने वाले सभी मेहमान आपके यार्ड की तारीफ करने लगेंगे।

आँगन में एक सुन्दर झूला लगाओ

इतना ही नहीं, आप अपने यार्ड में एक छोटा सा फव्वारा भी स्थापित कर सकते हैं। यह आपके घर में शांति और सुन्दरता ला सकता है। इसके अलावा आप आंगन में छोटा सा सुंदर झूला या बेंच लगा सकते हैं ताकि आप शांति से बैठ सकें या झूले में झूलकर प्रकृति का आनंद ले सकें। यहां बैठने से आपको आराम मिलेगा।

बांस की छड़ियों का उपयोग करें

आप शाम के समय अपने आँगन में रोशनी या लैंप का उपयोग कर सकते हैं। इससे पूरा प्रांगण रोशन हो जाएगा। आप अपने आँगन को पत्थरों से सजा सकते हैं। इसके अलावा, सजावट के लिए भी बांस की छड़ियों का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।

प्रतिदिन यार्ड साफ करें

इन सभी सुझावों के अलावा आपको अपने यार्ड को रोजाना साफ करना चाहिए और पौधों को पानी देना चाहिए। यदि आप ऐसा करेंगे तो आपका यार्ड हरा-भरा और सुंदर दिखेगा। ये सभी टिप्स आपके यार्ड को सुंदर बनाने में आपकी मदद करेंगे।

घर को मिलेगा अमीरों वाला रॉयल लुक, इन 4 ट्रिक्स से हमेशा साफ-सुथरा दिखेगा हर कोना

हर किसी का सपना होता है कि उसका घर न केवल आरामदायक हो, बल्कि उसका लुक भी रॉयल और शानदार हो। खासकर जब बात सफाई और सजा-संवारा की हो, तो यह महत्वपूर्ण होता है कि घर का हर कोना हमेशा साफ-सुथरा और व्यवस्थित दिखे। हालांकि, घर को हमेशा एक रॉयल लुक देना और उसे अच्छे से सजाना उतना कठिन भी नहीं है। कुछ आसान और प्रभावी ट्रिक्स के जरिए आप भी अपने घर को अमीरों जैसा दिखा सकते हैं। आइए जानते हैं उन 4 खास ट्रिक्स के बारे में, जो आपके घर को हमेशा साफ-सुथरा और शानदार बनाए रखेंगी।

1. फर्नीचर की व्यवस्था और डिजाइन

घर के फर्नीचर की सही व्यवस्था और चयन रॉयल लुक पाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कुछ बुनियादी फर्नीचर डिज़ाइनों को ध्यान में रखकर आप घर को रॉयल बना सकते हैं। जैसे :

क्लासिक और स्लीक फर्नीचर : अमीर घरों में हमेशा क्लासिक, एंटीक और स्लीक डिज़ाइन का फर्नीचर होता है। इसके लिए आप अपनी लाइविंग रूम में लकड़ी के सुरुचिपूर्ण सोफा सेट या मेटल और ग्लास के संयोजन वाले टेबल का चुनाव कर सकते हैं।

साफ-सुथरी व्यवस्था : फर्नीचर की व्यवस्था इस तरह करें कि घर में हवा का सही संचार हो और कमरे की विशालता बनी रहे। फर्नीचर का ओवरलोडिंग न करें और हर सामान को उसकी जगह पर व्यवस्थित रखें।

2. साफ-सफाई का ध्यान रखें

अमीर लोग हमेशा अपने घर की सफाई का विशेष ध्यान रखते हैं। घर को हमेशा साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखना रॉयल लुक में एक अहम योगदान देता है। कुछ टिप्स :

डेली क्लीनिंग रूटीन : घर के हर हिस्से को रोज़ाना साफ करने की आदत डालें। फ्लोर को अच्छे से धोने के लिए एक अच्छा क्लीनर इस्तेमाल करें और वाइप से टेबल, काउंटर और गद्दे साफ करें।

धूल-मिट्टी से बचाव : खिड़कियों और दरवाजों के पर्दों को नियमित रूप से धोएं ताकि धूल-मिट्टी का जमाव न हो। एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल भी कमरे को ताजगी से भर देता है।

3. हाई-एंड डेकोर और एक्सेसरीज़

रॉयल लुक पाने के लिए, घर में सही डेकोर और एक्सेसरीज़ का होना जरूरी है। कुछ महत्वपूर्ण चीजों का ध्यान रखें :

आर्ट पीस और वॉल पेंटिंग : दीवारों पर पेंटिंग या आर्ट पीस लगाना घर को रॉयल लुक देता है। अमीर घरों में अक्सर महंगे और अनोखे आर्टवर्क होते हैं, जिन्हें देखकर ही घर की भव्यता का अहसास होता है।

लक्ज़री लाइटिंग : अच्छे और भव्य लाइटिंग से घर की खूबसूरती में चार चांद लग जाते हैं। आप सोने के रंग के झूमर, क्रिस्टल लाइट्स या महंगे चांदी के लैंप का इस्तेमाल कर सकते हैं।

विंटर कुशन और थ्रो : सोफे पर रंग-बिरंगे, मुलायम और लक्ज़री फैब्रिक के कुशन और थ्रो रखें। यह न केवल सोफे को और आकर्षक बनाता है, बल्कि घर को भी रॉयल और आरामदायक लुक देता है।

4. रंगों का चुनाव और व्यवस्था

घर में सही रंगों का चुनाव भी उसकी सफाई और रॉयल लुक को बेहतर बना सकता है। अमीर घरों में रंगों का चयन बेहद ध्यान से किया जाता है, क्योंकि यह कमरे की खूबसूरती और शांति को बढ़ाता है।

लाइट और न्यूट्रल शेड्स : रॉयल लुक के लिए हलके रंग जैसे क्रीम, बेज, सफेद, हल्के गुलाबी या आइलिवन पिंक का चुनाव करें। इन रंगों से घर की जगह खुली और रोशन दिखेगी। इसके अलावा, डार्क टोन जैसे डार्क ग्रीन या ब्लू भी रॉयल लुक के लिए बेहतरीन होते हैं।

कलर्ड ऐक्सेंट्स : कमरे में थोड़े-बहुत रंग के ऐक्सेंट्स जैसे सजावटी वस्त्र, कुशन या दीवारों पर पेंटिंग्स भी रॉयल लुक को हाईलाइट करते हैं। इनसे कमरे की सुंदरता और विविधता में इजाफा होता है।

इन ट्रिक्स को अपनाकर आप अपने घर को एक रॉयल और क्लासी लुक दे सकते हैं, जो न केवल आपको बल्कि आपके मेहमानों को भी प्रभावित करेगा। सही फर्नीचर, अच्छी सफाई, खूबसूरत डेकोर और उपयुक्त रंगों के साथ, आपका घर हमेशा साफ-सुथरा और शानदार नजर आएगा। तो, तैयार हो जाइए अपने घर को अमीरों जैसा बनाने के लिए और उसे हर दिन रॉयल लुक में सजाने के लिए!

क्या आप जानते हैं रोज 5 मिनट अनुलोम विलोम करने से क्या होता है? सेहतमंद बीतेगी जिंदगी, ऐसे करें अभ्यास

स्वस्थ रहने के लिए सभी स्वास्थ्य विशेषज्ञ उचित आहार के साथ-साथ योग और व्यायाम को दिनचर्या में शामिल करने की सलाह देते हैं। अक्सर लोग यह सोचकर योग और व्यायाम से बचते हैं कि यह बहुत कठिन है या इसमें बहुत समय लगेगा। लेकिन, ऐसा बिल्कुल नहीं है। योग और प्राणायाम शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। अनुलोम-विलोम और कपालभाति प्राणायाम सेहत को कई तरह से फायदा पहुंचाता है। क्या आप जानते हैं कि रोजाना 5 मिनट अनुलोम-विलोम और कपालभाति करने से क्या फायदा होता है और इसे करने का सही तरीका क्या है, आइए विशेषज्ञ से जानते हैं। योग विशेषज्ञ नताशा कपूर इस बारे में जानकारी दे रही हैं। वह एक प्रमाणित योग शिक्षिका हैं।

अगर आप रोजाना 5 मिनट अनुलोम-विलोम और कपालभाति करते हैं तो क्या होता है?

रोजाना 5 मिनट तक अनुलोम-विलोम और कपालभाति करने से मन शांत होता है। इससे तनाव दूर होता है और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है।

यह पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है. जिन लोगों का पाचन तंत्र खराब है, उन्हें रोजाना 5 मिनट अनुलोम-विलोम और कपालभाति करना चाहिए।

कपालभाति प्राणायाम एसिडिटी, गैस और कब्ज को दूर करता है और पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है।

यह एकाग्रता और स्मरण शक्ति में सुधार करता है तथा चिंता से राहत देता है।

रोजाना 5 मिनट अनुलोम-विलोम करने से भी बीपी नियंत्रित रहता है। अगर आपका बीपी हाई रहता है तो आपको कपालभाति के बाद अनुलोम-विलोम जरूर करना चाहिए।

कपालभाति प्राणायाम करने से भी पेट की चर्बी कम होती है।

रोजाना 5 मिनट कपालभाति और अनुलोम-विलोम करने से शरीर से विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते हैं और चेहरे पर चमक आती है। इससे वजन भी कम होता है।

अगर आपको अच्छी नींद नहीं आती, शरीर हमेशा थका रहता है और मन शांत नहीं रहता तो ये दो प्राणायाम 5 मिनट तक करें।

रोजाना 5 मिनट कपालभाति और अनुलोम-विलोम करने से शरीर को ऊर्जा मिलती है और फेफड़ों और हृदय का स्वास्थ्य बेहतर होता है।

उलटने का सही तरीका

इस प्राणायाम को करने के लिए आपको एक शांत जगह पर बैठना होगा।

आप इसे फर्श पर बैठकर या योग मैट के साथ बिस्तर पर बैठकर भी कर सकते हैं।

आपको इसे सुखासन या पद्मासन में बैठकर करना होगा।

यह करने के लिए बहुत आसान है।

सबसे पहले आपको अपने दाहिने अंगूठे को अपने दाहिने नथुने पर रखना होगा।

इसके बाद आपको दूसरे नथुने यानि बायें नथुने से सांस लेनी है।

सांस लेते समय इस नथुने को बंद कर लें और अपने अंगूठे को दाएं नथुने से हटाकर सांस छोड़ें।

अब केवल दाहिने नथुने से ही श्वास लें।

आपको इसे बायीं नासिका से बाहर निकालना होगा।

इस प्रक्रिया को इस प्रकार दोहराएँ।

याद रखें कि आपको उसी नथुने से दोबारा सांस लेनी है जिससे आपने सांस छोड़ी थी।

कपालभाति करने का सही तरीका

इस प्राणायाम को करने के लिए आपको सुखासन में बैठना होगा।

अपनी रीढ़ सीधी रखें.

पेट को ढीला छोड़ दें।

अब आपको तेजी से सांस बाहर छोड़नी है।

ऐसा करते समय आपका पेट अंदर की ओर खिंचना चाहिए और पेट पर दबाव महसूस होना चाहिए।

इसे कुछ समय तक दोहराएँ।

रोजाना 5 मिनट अनुलोम-विलोम और कपालभाति करने से आपको ये फायदे मिल सकते हैं। अगर आपको कोई स्वास्थ्य संबंधी समस्या है तो हमें लेख के ऊपर कमेंट बॉक्स में बताएं। हम अपने लेखों के माध्यम से आपकी समस्या का समाधान करने का प्रयास करेंगे।

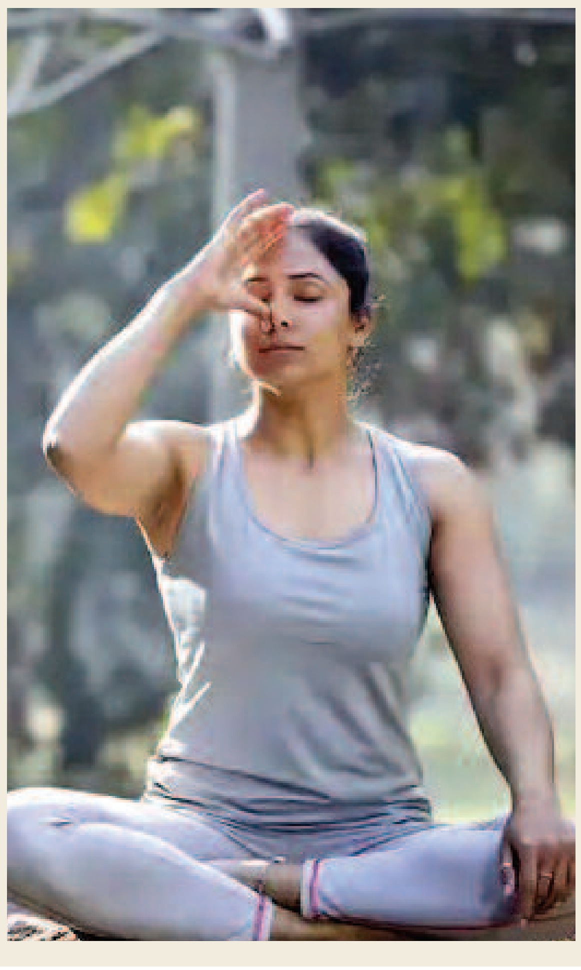

गर्मी में बर्फ की तरह पिघलेगी पेट और जांघों की चर्बी

डाइट में सिर्फ इन 5 फूड्स को कर लें शामिल

महिलाएं घर और बाहर की जिम्मेदारियों में इतनी व्यस्त रहती हैं कि वे अपने स्वास्थ्य का ध्यान नहीं रख पातीं। इसके अलावा, लंबे समय तक बैठे रहने से शारीरिक गतिविधियां भी कम हो रही हैं। इन कारणों से शरीर का वजन और चर्बी बढ़ने लगती है। शरीर की चर्बी न सिर्फ पर्सनालिटी खराब करती है, बल्कि कई तरह की समस्याएं भी पैदा करती है।

मोटापे के कारण शरीर में मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, गठिया, स्ट्रोक जैसी कई बीमारियां घर करने लगती हैं। ऐसे में अपने खान-पान और जीवनशैली में जरूरी बदलाव करना बेहद जरूरी है। इसके लिए रोजाना व्यायाम करना जरूरी है। हालांकि, कभी-कभी महिलाओं के लिए घर और ऑफिस के काम के बीच जिम जाने और व्यायाम करने के लिए समय निकालना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में ऐसे व्यायामों की जरूरत है, जो आसानी से और कम समय में किए जा सकें।

हम आपके लिए 4 ऐसी एक्सरसाइज लेकर आए हैं, जिन्हें करने के लिए आपको जिम जाने की भी जरूरत नहीं है, बल्कि आप घर पर ही थोड़ा-बहुत कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस एक दीवार की जरूरत है। आप ये व्यायाम दीवार के सहारे खड़े होकर आसानी से कर सकते हैं। फिटनेस एक्सपर्ट जूही कपूर हमें इनके बारे में बता रही हैं।

विशेषज्ञ कहते हैं, अगर आपने अभी-अभी फिटनेस पर ध्यान देना शुरू किया है और आप आसान एक्सरसाइज की तलाश में हैं, तो आप दीवार के सहारे कुछ एक्सरसाइज कर सकते हैं। इससे आपको कई फायदे मिलते हैं। यह शरीर की कई मांसपेशियों पर काम करता है। इससे संतुलन और मुद्रा में सुधार होता है और पैर, हाथ और पेट की चर्बी कम होती है। इन एक्सरसाइज को रोजाना करने से शरीर में लचीलापन भी बढ़ता है। इसके अलावा यह फैट बर्न करने और पूरे शरीर को टोन करने में मदद करता है।

दीवार पर मार्च

यह एक बहुत ही आसान और प्रभावी व्यायाम है जिसे आप घर पर दीवार की मदद से कर सकते हैं। यह पूरे शरीर को सक्रिय करता है और मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। यह एक कार्डियो व्यायाम है जो हृदय गति को बढ़ाता है और पैरों, जांघों और ग्लूट्स को मजबूत करता है।

दीवार मार्चिंग के चरण

इसे करने के लिए दीवार की ओर मुंह करके अपने पैरों को थोड़ा अलग रखकर खड़े हो जाएं।

अपने दोनों हाथ सीधे दीवार पर रखें।

फिर उसी स्थान पर खड़े होकर बारी-बारी से पैरों को छाती की ओर ऊपर उठाएं, जैसे कि आप मार्च कर रहे हों।

इस व्यायाम को 50 बार दोहराएँ।

दीवार मोड़

यह व्यायाम करना थोड़ा कठिन है, लेकिन इसे रोजाना करने से आप पूरे शरीर की चर्बी कम कर सकते हैं। इसके अलावा, यह व्यायाम कमर की मांसपेशियों को मजबूत करता है, रीढ़ को लचीला बनाता है, पाचन में सुधार करता है और तनाव को कम करता है।

दीवार मोड़ने के चरण

इस व्यायाम को करने के लिए दीवार के पास खड़े हो जाएं।

अपने पैरों को कंधे की चौड़ाई तक खोलें।

दोनों हाथ दीवार पर रखें।

कमर से शरीर को दाएं से बाएं ओर घुमाएं, जैसे आप कुर्सी घुमा रहे हों।

यह व्यायाम दूसरी तरफ से भी करें।

व्यायाम करते समय सांस अंदर और बाहर लें।

यह व्यायाम 50 बार करें।

दीवार पर उकड़ूँ बैठना

यह एक ऐसा व्यायाम है, जो न केवल आपके पैरों, जांघों और कूल्हों को मजबूत बनाता है, बल्कि पूरे शरीर को टोन करने में भी मदद करता है। ऐसा इसलिए क्योंकि ऐसा करने से अधिक कैलोरी बर्न होती है और मेटाबोलिज्म भी बढ़ता है। इसके अलावा यह तनाव को भी कम करता है।

एक नजर

डंपरों की आवाजाही पर रोक लगाने की मांग

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत नर्सरी रोड पर इन दिनों रेत और पत्थर से भरे डंपरों की भारी आवाजाही से लोग परेशान हो चुके हैं। बेलगाम डंपरों के कारण कई बार यहां जाम लग रहा है और लोगों व स्कूली बच्चों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रमेश चंद्र थपलियाल, दिनेश, अमित, नाजिम और आशुतोष ने बताया कि नर्सरी रोड पहले से ही संकरी है और मार्ग पर ढलान भी अधिक है। अलकेश्वर घाट की ओर जाने वाले इन डंपरों की गति पर कोई नियंत्रण नहीं है। इस मार्ग से रोजाना चार से पांच स्कूलों के बच्चे गुजरते हैं और डंपरों की तेज रफ्तार से हर समय दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है

। शंकर और आनंद भंडारी का कहना है कि डंपरों की वजह से अक्सर बच्चों की स्कूल बसें और ऑफिस जाने वाले लोग समय पर अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच पाते। लोगों ने प्रशासन से स्कूल खुलने और छुट्टी होने के समय इस मार्ग पर डंपरों की आवाजाही पर रोक लगाने की मांग की। वहीं कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विनय कुमार का कहना है कि शिकायत का संज्ञान लिया गया है। मौके पर पुलिस टीम भेजकर स्थिति का जायजा लिया जाएगा। यातायात व्यवस्था बाधित न हो और आमजन को परेशानी न हो इसके लिए डंपर चालकों को सख्त निर्देश दिए जाएंगे। (एजेंसी)

आपदा से क्षतिग्रस्त संपर्क मार्ग पर नहीं हो पाया पुनर्निर्माण

नई टिहरी। भिलंगना ब्लॉक के मौलनों, गेंवली, स्वाड़ी, लवै गांव, कोसकांडी गांव का पौखाल बाजार को जोड़ने वाला पैदल संपर्क मार्ग का 10 माह बाद भी पुनर्निर्माण नहीं हो पाई है जिससे ग्रामीणों में आक्रोश है। गत वर्ष 25 जुलाई को भिलंगना क्षेत्र में आई आपदा में पौखाल बाजार को जोड़ने वाले पैदल संपर्क मार्ग का तोणखंड तोके के पास करीब 20 मीटर का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। ग्रामीण शीशपाल गुसाईं, किशोर सिंह, राम सिंह भंडारी, नागेंद्र सिंह कैंतुरा, महाजन सिंह गुसाईं ने बताया तोणखंड में क्षतिग्रस्त संपर्क मार्ग क्षेत्र के पांच गांवों को पौखाल बाजार से जोड़ता है। क्षतिग्रस्त रास्ते के नीचे खाई होने के कारण लोगों को हर समय जान जोखिम का डर बना रहता है। ग्राम विकास अधिकारी विजय सिंह ने बताया ग्रामीणों की ओर पूर्व ही क्षतिग्रस्त रास्ते की मरम्मत के लिए आपदा में प्रस्ताव दिया गया है। ब्लॉक की ओर से भी मनरेगा में मरम्मत का प्रस्ताव रखा गया है।

तोणखंड तोके से पौखाल बाजार को जोड़ने वाले संपर्क मार्ग के क्षतिग्रस्त होने की उन्हें जानकारी नहीं है। शीघ्र ही क्षेत्रीय ग्राम विकास अधिकारी से इसकी जानकारी जुटाकर कार्यवाही की जाएगी। रास्ते को मरम्मत के लिए किस मदद में रखा गया है इसकी जानकारी ली जाएगी। विपिन सिंह, विकास खंड अधिकारी, भिलंगना।

उद्यमिता ओरिएंटेशन कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं ने सीखे उद्यमिता के गुर

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : डॉ० पी० द० ब० हि० राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार में उच्च शिक्षा विभाग, उत्तराखंड सरकार एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ई.डी.आई.आई.), अहमदाबाद के संयुक्त तत्वावधान में देवभूमि उद्यमिता ओरिएंटेशन कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डी० एस० नेगी, प्रोजेक्ट ऑफिसर श्री दिलीप कुशवाहा तथा महाविद्यालय देवभूमि उद्यमिता केंद्र के नोडल अधिकारी डॉ० एस० के० गुप्ता द्वारा मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर देवभूमि उद्यमिता योजना के महाविद्यालय नोडल अधिकारी डॉ० एस० के० गुप्ता ने ओरिएंटेशन कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों एवं विषय विशेषज्ञों का स्वागत करते हुए परिचय कराया। डॉ एस० के० गुप्ता ने ओरिएंटेशन कार्यक्रम के औचित्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस ओरिएंटेशन कार्यक्रम में छात्र– छात्राओं को कोटद्वार क्षेत्र की सामाजिक–आर्थिक समस्याओं को पहचानने तथा उद्यमिता एवं स्टार्टअप के विकास द्वारा समाधान करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि नवाचार , नवीनतम तकनीकों एवं आइडियाज के माध्यम से उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य में रोजगार के अवसरों को बढ़ाकर एवं सरकारी योजनाओं तथा फंडिंग का अनुकूलतम उपयोग करके पहाड़ों से हो रहे पलायन को रोका जा सकता है। डॉ गुप्ता ने कहा कि कोटद्वार एवं आसपास के क्षेत्र के

आयोजित कार्यशाला में भाग लेते विद्यार्थी

युवाओं को उद्यमिता, स्टार्टअप , कौशल विकास एवं स्वरोजगार के प्रति जागरूक तथा प्रोत्साहित करने हेतु यह योजना मील का पत्थर साबित होगी। ओरिएंटेशन कार्यक्रम में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद से विषय विशेषज्ञ के रूप में आये प्रोजेक्ट ऑफिसर श्री दिलीप कुशवाहा ने कहा कि इस एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं को उद्यमिता एवं स्टार्टअप के प्रति जागरूकता पैदा करने एवं स्वरोजगार के माध्यम से अपना भविष्य संवारने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने छात्र–छात्राओं को नौकरी के साथ–साथ उद्यमिता एवं स्टार्टअप पर भी ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डी० एस० नेगी ने कहा कि महाविद्यालय में स्थापित उद्यमिता केंद्र द्वारा उत्तराखंड सरकार की महत्वाकांक्षी देवभूमि उद्यमिता योजना के क्रियान्वयन एवं सफल संचालन हेतु निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देवभूमि उद्यमिता योजना कोटद्वार क्षेत्र के आर्थिक विकास में कारगर सिद्ध होगी तथा महाविद्यालय के छात्र–छात्राएं इस योजना से लाभान्वित होंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस कार्यक्रम में प्राप्त किया गया प्रशिक्षण, भविष्य में स्वरोजगार एवं अपना उद्यम स्थापित करने वाले छात्र –छात्राओं के लिए महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। उन्होंने छात्र–छात्राओं को आगामी बूट कैंप एवं उद्यमिता विकास कार्यक्रम में भी बढ़–चढ़कर प्रतिभाग करने हेतु प्रेरित किया। ओरिएंटेशन कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञ श्री दिलीप कुशवाहा द्वारा उद्यमिता एवं स्टार्टअप से संबंधित विभिन्न विषयों पर विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से गहन जानकारियां दी गई । श्री कुशवाहा द्वारा उत्तराखण्ड के स्थानीय युवाओं एवं छात्रों में प्रतिभा व कौशल की खोज करने , उद्यमिता और स्टार्टअप के प्रति जागरूकता बढ़ाने, उद्यमिता हेतु फंडिंग उपलब्ध करवाने, उद्यमिता आइडियाज, व्यवसायिक मॉडल कैनवास , ब्रांडिंग, मार्केटिंग, रिसोर्स जेनरेशन, स्टार्टअप एडवेंचर आदि पर भी विस्तार से चर्चा की गई एवं विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया।ओरिएंटेशन कार्यक्रम में महाविद्यालय के कुल 103 छात्र–छात्राओं ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया तथा उद्यमिता एवं स्टार्टअप के गुर सीखें। कार्यक्रम के अंत में आगामी उद्यमिता कार्यक्रमों के चयन हेतु स्क्रीनिंग परीक्षा आयोजित की गई तथा प्राचार्य द्वारा प्रतिभागी छात्र–छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम का संचालन डॉ० सुरेखा घिल्डियाल द्वारा किया गया। महाविद्यालय उद्यमिता केंद्र की सदस्य डॉ मीनाक्षी वर्मा, डॉ मुकेश रावत आदि ने कार्यक्रम के आयोजन में सक्रिय सहयोग दिया।

कार्यक्रम में डॉ० विनोद सिंह, डॉ० अंशिका बंसल, श्री अनुपम भारद्वाज, श्री अरविंद दुदपुड़ी आदि प्राध्यापकों तथा तनुजा, मोहित सैनी, अर्पित, तपन राणा, अंशिका बुड़ाकोटी, आंचल कुकरेती, कृष्णकांत कुकरेती, हिमांशु देवरानी, भूमि जखमोला, शुभम राजपूत, विनायक अग्रवाल आदि छात्र–छात्राओं ने व्यवस्था बनाने एवं अन्य कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

बगैर सूचना गोशाला तोड़ने पर जताया रोष

कोटद्वार में उपजिलाधिकारी संदीप कुमार को ज्ञापन देती गीता सिंह व प्रभावित परिवार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम की ओर से बिना सूचना दिए झंडीचौड़ में गोशाला तोड़े जाने पर गोपालकों ने रोष व्यक्त किया है। कहा कि उनकी परिवार की आर्थिकी का जरिया गोपालन ही था। ऐसे में अब उनके समक्ष आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

वार्ड नंबर 37 झंडीचौड़ में प्रशासन ने 28 अप्रैल को गोशाला ध्वस्त कर दी थी। इसी संबंध में सोमवार को अंबेडकर बस्ती निवासी बृजेश देवी, प्रभा देवी, मुन्नू सिंह तहसील में पहुंचे। उन्होंने उपजिलाधिकारी संदीप कुमार के माध्यम से जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजा। बताया कि वह पशुपालन व्यवसाय से ही अपने परिवार का भरण-पोषण करते आ रहे है, जिसके लिए उनके पूर्वजों ने करीब आठ दशक पूर्व से ही अंबेडकर बस्ती में गोशालाएं बनाई हुई हैं। लेकिन नगर निगम प्रशासन ने उन्हें बिना सूचना दिए ही उनकी गोशालाओं को तोड़ दिया है।

कहा कि नगर निगम की कार्यवाही से अनुसूचित समाज में आक्रोश पनप रहा है। अनुसूचित परिवारों की चार पीढ़ियां इसी पशुपालन से अपने परिवार का भरण पोषण करती आ रही है। ज्ञापन में तोड़फोड़ की कार्यवाही को तत्काल रोकने, पूर्व से काबिज लोगों का पुनर्वास करने की मांग की गई है। इस मौके पर मौके पर गीता सिंह, विशंबर सिंह, मंगतराम, गुड्डी देवी, मधुबाला, रामेश्वरी देवी, मनोज सिंह, मीना देवी, रिंकी, सावित्री देवी सहित अन्य मौजूद रहे।

कठबंदी मेले में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : खिर्सू विकासखंड के कोठगी गांव में आयोजित ऐतिहासिक कठबंदी मेला इस वर्ष भी पूरे उत्साह, रोमांच और पारंपरिक आस्था के साथ मनाया गया। मेले में भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी हुई थी। दूर-दूर से पहुंची श्रद्धालु महिलाओं (ध्यानियों) ने घंडियाल देवता को घंटे भेंटकर अपनी आस्था प्रकट की। कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने भी मेले में पहुंचकर भगवान का आशीर्वाद लिया। रविवार सुबह से ही गांव में पूजा-अर्चना का क्रम शुरू हो गया था। देव मंडल के साथ रातभर जागरण चला। सोमवार सुबह देव स्नान के बाद विधिवत पूजा-अर्चना की गई और कुलदेवता के अवतरण के साथ ही बहुप्रतीक्षित कठबंदी रस्म की तैयारियां शुरू हो गईं। पंचायती चौक से शुरू हुई इस अनूठी परंपरा में कठबंदी का विशेष श्रृंगार आकर्षण का केंद्र रहा। सिर पर पगड़ी, हाथों में तलवार और ढाल, माथे पर लाल टीका, कमर में तलवार और बाजूबंद में सजी चुनिया ने पूरे दृश्य को अलौकिक बना दिया। ढोल-दमाऊं की गूंज के बीच जैसे ही कठबंदी को गांव के ऊपरी हिस्से की ओर ले जाया गया, श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। स्थानीय लोगों ने परंपरा के अनुसार रस्सियों के सहारे कठबंदी को खिसकाया। कुलदेवता के जयकारों से पूरा गांव गूंज उठा और श्रद्धालु आशीर्वाद लेते नजर आए।

लोगों को दिया टीबी का पूर्णतः उपचार संभव का संदेश

विशेष जागरूकता और एक्स–रे स्क्रीनिंग शिविर का किया आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : स्वास्थ्य विभाग पौड़ी द्वारा 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में टीबी उन्मूलन के उद्देश्य से पौड़ी ब्लॉक के अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर ल्वाली, गग्वाड, डांग तमलाग, सुमेरपुर और नौटियाल गांव में सोमवार को विशेष जागरूकता और एक्स-रे स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर ग्रामीणों को टीबी के लक्षण, बचाव एवं उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही लोगों को संदेश दिया गया कि टीबी का पूर्णतः उपचार संभव है, समय पर जांच व नियमित दवा लेने से इसे ठीक किया जा सकता है। इस दौरान स्वास्थ्य टीम द्वारा संदिग्ध मरीजों को चिन्हित कर आगे की जांच हेतु प्रेरित किया गया।

जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. विनय कुमार त्यागी ने कहा कि 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जनपद में आयोजित होने वाले शिविरों का उद्देश्य दूरस्थ और संवेदनशील क्षेत्रों में टीबी की जांच पहुंचाना हैं।

सोमवार को शिविर के दौरान पौड़ी ब्लॉक में 32 एक्सरे व 4 स्पूटम सैंपल लिए गए। उन्होंने बताया कि जनपद में 24 मार्च से लेकर आज तक विभिन्न ब्लॉकों में शिविर आयोजित कर 4708 टीबी एक्सरे किए जा चुके हैं। इस दौरान एस.टी.एस. नीरज भंडारी, सीएचओ दीपिका, संध्या, एएनएम ममता, संध्या, सुरेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

जन संवाद कार्यक्रम में 21 शिकायतें दर्ज, 8 का मौके पर निस्तारण

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार में आयोजित 'जन संवाद कार्यक्रम' में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 21 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें से 8 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को कार्रवाई हेतु प्रेषित किया गया। सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सिल्ला बामणगांव की प्रधान लता चंद ने वियनगर-तिमली-तैला मोटर मार्ग की धंसी सड़क के सुधार, पुस्ता एवं पक्की नाली निर्माण की मांग उठाई। साथ ही उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत पेयजल आपूर्ति सुचारू करने और आपदा में क्षतिग्रस्त पेयजल लाइन के स्थायी समाधान की मांग की। लदोली की प्रधान अनीता देवी ने क्षेत्र में पिछले एक माह से रसोई गैस आपूर्ति बाधित होने तथा निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्र का कार्य अधूरा होने की शिकायत दर्ज कराई। जखोली बड़मा के उम्मेद सिंह ने एक आंख से दृष्टिहीन होने के बावजूद पेंशन स्वीकृत न होने की समस्या रखी। फलाटी गांव के सूरत लाल ने बताया कि बीपीएल श्रेणी में होने और बेरोजगार होने के बावजूद उनका राशन कार्ड बंद कर दिया गया है, जिससे उन्हें खाद्यान्न

नहीं मिल पा रहा है। वहीं बावई के बृज लाल ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ न मिलने की शिकायत की, जबकि पाटियूं बसुकेदार की दीपा देवी ने आपदा से क्षतिग्रस्त कृषि भूमि और गौशाला का मुआवजा न मिलने का मुद्दा उठाया। अपर जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध और गंभीरता से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि लापरवाही या अनावश्यक देरी बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। कार्यक्रम में जिला विकास अधिकारी अनीता पंवार, उप जिलाधिकारी जखोली भगत सिंह फोनिया, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम प्रकाश, जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्रा, जिला पूर्ति अधिकारी केएस कोहली, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आशीष रावत, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग इंद्रजीत बोस, जल निगम नवल कुमार, सिंचाई खुशवंत सिंह चैहान, ग्रामीण निर्माण विभाग मीनल गुलाटी, प्रभारी शिकायत निवारण केंद्र विनोद कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं शिकायतकर्ता उपस्थित रहे।

बामठी गांव में पिंजरे में कैद हुआ गुलदार, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जनपद पौड़ी के बामठी गांव में पिछले कई दिनों से आतंक का कारण बनी मादा गुलदार आखिरकार वन विभाग के लगाए गए पिंजरे में कैद हो गई है। गुलदार के पकड़े जाने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। नागदेव स्थित रेंज परिसर में पशु चिकित्साधिकारियों द्वारा गुलदार का स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है।

बता दें कि बीती 23 अप्रैल को इसी गुलदार ने गांव की एक महिला को निवाला बनाया था, जिससे पूरे क्षेत्र में दहशत बनी हुई थी। गढ़वाल वन प्रभाग की एसडीओ आयशा बिष्ट ने बताया कि विभाग ने गुलदार की निगरानी के लिए 20 कैमरा ट्रैप, चार सोलर सीसीटीवी और इम्प्रेशन पैड का उपयोग किया। साथ ही, क्षेत्र में पांच पिंजरे लगाए गए और शिकारी दल को मचान बनाकर तैनात किया गया था। सघन प्रयासों के बाद, बीती देर रात गुलदार घटना स्थल से महज 300 मीटर की दूरी पर लगाए गए पिंजरे में फंस गया। एसडीओ आयशा बिष्ट के अनुसार, गुलदार मादा है और उसकी उम्र लगभग 1.5 से दो वर्ष के बीच आंकी गई है। पकड़े जाने के बाद गुलदार को सुरक्षित रूप से नागदेव स्थित रेंज परिसर ले जाया गया है। वर्तमान में वहां पशु चिकित्साधिकारियों की ओर से गुलदार का स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। गुलदार के पकड़े जाने की खबर से बामठी गांव और आसपास के ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है हालांकि वन विभाग अभी भी क्षेत्र में सतर्कता बनाए हुए है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0 पौड़ी

E Mail ID:- eepwdcdpauri@gmail.com, eepwdcdpauri@rediffmail.com, Fax & Phone No. (01368-222284)

पत्रांक 591/20ए0सी0 दिनांक 04/05/2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी के द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु मोहरबन्द निविदायें दिनांक 25.05 2026 को अपराह्न 02.00 बजे तक निम्न कार्यालयों में आमंत्रित की जाती है। निविदा के साथ वांछित धरोहर धनराशि राष्ट्रीय बचत पत्र, डाकघर की पास बुक एवं शेड्यूल्ड बैंक की एफ.डी.आर. के रूप में मान्य होगी जो अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0 पौड़ी के पद नाम से बन्धक होगी। निविदा के साथ रुपये 100.00 का नान जूडिशियल स्टाम्प पेपर वैधता की शर्तों के साथ जिसके ऊपर रू0 1.00 के रसीदी टिकट सहित हस्ताक्षर होना अनिवार्य है।

निविदा प्रपत्र दिनांक 08.05.2026 से 23.05.2026 तक किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 10:00 बजे से सांय 5:00 बजे तक निम्नलिखित कार्यालयों से प्राप्त की जा सकती है।

1. अधीक्षण अभियन्ता 12वीं वृत्त लो0नि0वि0 पौड़ी
2. अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड लो0नि0वि0 पौड़ी
3. अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0 पौड़ी
4. अधिशासी अभियन्ता अस्थाई खण्ड लो0नि0वि0 कीर्तिनगर जिला टिहरी गढ़वाल।

निविदायें अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0 पौड़ी के कार्यालय में दिनांक 25.05.2026 को अपराह्न 3:00 बजे टैण्डर खोलने हेतु गठित समिति द्वारा उपस्थित निविदा दाताओं अथवा उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (रू0 में)	निविदा का मूल्य	निविदा की वैधता	कार्य पूर्ण करने का समय	ठेकेदार की श्रेणी
	वित्तीय वर्ष (2026-27)					
1	एक्सकेवेटर कम लोडर द्वारा जनपद पौड़ी के विकास खण्ड पोखड़ा क्षेत्र के विभिन्न मार्गों को यातायात खोलने हेतु मलवा निस्तारण एवं अन्य कार्य। **(पूर्ण अनुबन्धित अवधि हेतु)** (मुख्यालय स्थान-गवाणी)	30000.00	1000+ GST	45 दिन	4 माह	
2	एक्सलेवेटर कम लोडर द्वारा जनपद पौड़ी के विकास खण्ड पोखड़ा क्षेत्र के विभिन्न मार्गों को यातायात खोलने हेतु मलवा निस्तारण एवं अन्य कार्य। **(पूर्ण अनुबन्धित अवधि हेतु)** (मुख्यालय स्थान-बिजोरापानी)	30000.00	1000+ GST	45 दिन	4 माह	
3	एक्सकेवेटर कम लोडर द्वारा जनपद पौड़ी के विकास खण्ड पोखड़ा क्षेत्र के विभिन्न मार्गों को यातायात खोलने हेतु मलवा निस्तारण एवं अन्य कार्य। **(पूर्ण अनुबन्धित अवधि हेतु)** (मुख्यालय स्थान-जणदादेवी)	30000.00	1000+ GST	45 दिन	4 माह	वाहन स्वामी के नाम पंजीकृत एक्सकेवेटर कम लोडर।
4	एक्सकेवेटर कम लोडर द्वारा जनपद पौड़ी के विकास खण्ड पाबौ के खातस्यूँ पट्टी, विकासखण्ड पौड़ी के पैडुलस्यूँ पट्टी के विभन्न मार्गों को यातायात खोलने हेतु मलवा निस्तारण एवं अन्य कार्य। **(पूर्ण अनुबन्धित अवधि हेतु)** (मुख्यालय स्थान-सीकू)	30000.00	1000+ GST	45 दिन	4 माह	
5	एक्सकेवेटर कम लोडर द्वारा जनपद पौड़ी के विकासखण्ड कोट के विभिन्न मार्गों को यातायात खोलने हेतु मलवा निस्तारण एवं अन्य कार्य। **(पूर्ण अनुबन्धित अवधि हेतु)** (मुख्यालय स्थान-देहलचौरी)	30000.00	1000+ GST	45 दिन	4 माह	

1. अधोहस्ताक्षरी को बिना कारण बताये किसी भी निविदा अथवा समस्त निविदाओ को निरस्त/ स्थगित करने का अधिकार सुरक्षित है, एवं निविदा क्रय करते समय पंजीकरण की फोटो प्रति अवश्य साथ लायें।
2. निविदा शुल्क एवं 18 प्रतिशत जी0एस0टी0 शुल्क अलग-अलग मान्य होगा।
3. नॉन शेड्यूल बैंक की एफ0डी0आर0 स्वीकृत नहीं की जायेगी।

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0 पौड़ी
(0148/57

आईपीएल में आज होगा सीएसके और दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स की टीम आईपीएल में मंगलवार को अपने घरेलू मैदान पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। दिल्ली का लक्ष्य जीत के साथ ही प्लेऑफ के लिए अपनी उम्मीदें बनाये रखना रहेगा। दिल्ली ने अब तक खेले गए नौ मैचों में से चार में जीत हासिल की है जबकि उसे पांच में हार का सामना करना पड़ा है और वह अंक तालिका में सातवं स्थान पर है। वहीं दूसरी ओर सीएसके ने अबतक नौ मैचों में चार जीत हासिल की है और वह भी 6 अंक लेकर छठे स्थान पर है। नेट रन रेट बेहतर होने के कारण वह दिल्ली से अंक तालिका में ऊपर है।

पिछले मैच में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मिली जीत से भी सीएसक टीम उत्साहित है। उसके कप्तान रुतुराज गायकवाड़ भी फार्म में आ गये हैं जिससे टीम की बल्लेबाजी मजबूत हुई है। टीम के पास संजू सैसमन जैसा बल्लेबाज भी है। सैमसन ने अब तक दो शतक लगाये हैं। जहां तक गेंदबाजी की बात है दोनो ही टीमों के पास अच्छे गेंदबाज हैं। दिल्ली के पास मिचेल स्टार्क के अलावा कुलदीप यादव और टी नटराजन जैसे गेंदबाज हैं। वहीं सीएसके के पास अंशुल कंबोज और मुकेश चौधरी व नूर अहमद हैं।

अक्षर पटेल की कप्तानी वाली दिल्ली कैपिटल्स की बल्लेबाजी केएल राहुल के अलावा ट्रिस्टन स्टब्स और पथुम निसांका पर आधारित रहेगी।

दोनो ही टीमों के बीच अबतक 32 मुकाबले हुए है, इनमें से दिल्ली कैपिटल्स ने 12 जबकि चेन्नई सुपर किंग्स ने 20 मैच जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

चेन्नई सुपर किंग्सः रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान),संजू सैमसन (विकेटकीपर), उर्विल पटेल, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, जेमी ओवरटन, रामकृष्ण घोष, प्रशांत वीर, नूर अहमद, अंशुल कंबोज और मुकेश चौधरी, इम्पैक्ट प्लेयरः कार्तिक शर्मा

दिल्ली कैपिटल्सः अक्षर पटेल (कप्तान),केएल राहुल (विकेटकीपर), पथुम निसांका, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, नितीश राणा, आशुतोष शर्मा, काइल जैमीसन, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव और टी नटराजन, इम्पैक्ट प्लेयरः आशुतोष शर्मा

आरसीबी को झटका, चोटिल होने के कारण इंग्लैंड वापस गये सॉल्ट

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल में मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेल रहे इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट चोटिल होने के कारण स्वदेश लौट गये हैं। माना जा रहा है कि कि सॉल्ट उंगली में लगी चोट की जांच और इलाके लिए अपने घर गये हैं। साल्ट के स्वदेश लौटने से आसीबी की बल्लेबाजी प्रभावित हुई है। इससे उनकी टीम आरसीबी की खिताब बचाने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सॉल्ट को यह चोट दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में लगी थी। बाउंड्री लाइन के पास एक शॉट लगाते समय उनकी बाएं हाथ की उंगली में काफी चोट आई थी। जिसके बाद से ही वह खेल से दूर हैं। चोट इतनी गंभीर हैं कि फ्रेंचाइजी को उन्हें जांच और इलाके लिए स्वदेश भेजना पड़ा।

आरसीबी ने अभी तक सॉल्ट की चोट की गंभीरता और उनके इंग्लैंड रवाना होने को लेकर कोई बयान जारी नहीं किया है, जिससे भी प्रशंसक साल्ट की वापसी को लेकर आशंकित हैं। सॉल्ट के बाहर होने से उनकी जगह पर इंग्लैंड के ही युवा बल्लेबाज जैकब बेथेल को शीर्ष क्रम में अवसर मिला है। इस सत्र में साल्ट ने 6 पारियों में 168.33 के शानदार स्ट्राइक रेट से कुल 202 रन बनाए थे। उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी ने विपक्षी गेंदबाजों पर दबाव बनाया था और टीम के मध्यक्रम के लिए एक मजबूत मंच तैयार किया था। उनकी अनुपस्थिति में टीम की शुरुआत धीमी पड़ रही है, जिसका सीधा असर कुल स्कोर पर दिख रहा है।रिपोर्ट के अनुसार, सॉल्ट और टीम मैनेजमेंट दोनों को उम्मीद है कि वह इस महीने के अंत तक भारत लौटकर टीम के साथ जुड़ सकते हैं, बशर्ते उनकी चोट की स्थिति में सुधार हो।

अश्विन बोले, धोनी को अपनी गेंदबाजों पर रहता था पूरा भरोसा

-मेरे लिए कभी फील्डिंग नहीं सजाई

चेन्नई (एजेंसी)। पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि जितना भरोसा उनको गेंदबाजों पर रहता था उतना किसी और में नहीं देखा है। अश्विन ने धोनी की कप्तानी कौशल के लिए नहीं, बल्कि उनकी विकेटकीपिंग और खेल के प्रति स्पष्ट सोच के लिए है। अश्विन ने स्पष्ट किया कि उन्हें स्पिनरों के सामने धोनी जैसी विकेटकीपिंग करते हुए किसी और को नहीं देखा है।

अश्विन ने कहा कि लोग धोनी की शानदार कप्तानी की बहुत तारीफ करते हैं, और उनकी सफलता इस बात का प्रमाण है, लेकिन उनके लिए धोनी की दो विशेषताएं सबसे अलग हैं। पहली, एक मध्य क्रम के बल्लेबाज के रूप में उनकी क्षमता, जो खेल को आखिर तक ले जाकर अनुकूल परिणाम में बदल सकते थे। और दूसरी, स्पिन गेंदबाजों के सामने उनकी अद्भुत विकेटकीपिंग, जिसमें उन्हें कोई सानी नहीं।अश्विन ने धोनी के अपनी गेंदबाजों पर भरोसे को भी याद किया। उन्होंने बताया, धोनी ने कभी मेरे लिए फील्डिंग नहीं सजाई। मैं अपनी फील्डिंग स्वयं जमाता था। धोनी उन्हें बस एक सरल सलाह देते थे- दोहरा अनुमान मत लगाओ। पहले से कुछ मत सोचो। अगर तुम्हारी गेंद पर कोई बड़ा शॉट लगता है, तो कोई बात नहीं। अगर कोई जोखिम लेता है तो लेने दो। बस अपनी तय फील्डिंग के हिसाब से गेंदबाजी करो। इस बात से अश्विन को महसूस होता था कि धोनी को उन पर पूरा विश्वास था।

इस भरोसे और धोनी की सजगता का एक उदाहरण देते हुए अश्विन ने 2011 के आईपीएल फाइनल को याद किया, जब धोनी ने क्रिस गेल को शून्य पर आउट करने के लिए स्टंप के पीछे एक शानदार कैच लपका था। अश्विन के अनुसार, आप मैच की रणनीति और विकेट गिरने के बारे में बात कर सकते हैं, लेकिन धोनी ने जिस तरह से वह कैच पकड़ा, वह वास्तव में लाजवाब था। अश्विन ने अपने आईपीएल करियर (2009-25) में कुल 221 मैचों में 187 विकेट लिए हैं, जो उनकी लंबी और सफल यात्रा का प्रमाण है।धोनी के साथ अपने अनुभवों के अलावा, अश्विन ने अपने स्वयं के आईपीएल करियर के उतार-चढ़ाव पर भी बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि 2018-19 में पंजाब किंग्स की कप्तानी करने के बावजूद, वह उस टीम के साथ पूरी तरह से जुड़ नहीं पाए। उन्होंने कहा, पंजाब ने मुझे 2018 में चुना और मैंने अपना पूरा प्रयास किया, लेकिन मुझे ऐसा लगता है कि मैं उस टीम को वास्तव में अपनी टीम नहीं बना पाया। कप्तान के तौर पर शायद मैंने बहुत कुछ हासिल न किया हो, लेकिन इस दौरा मुझे सीखने को बहुत कुछ मिला।हालांकि, राजस्थान रॉयल्स के साथ बिताए अपने समय को अश्विन ने सबसे संतोषजनक बताया।

पंजाब किंग्स को हराकर पांचवे नंबर पर पहुंची गुजरात, मुम्बई हुई बाहर

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में पंजाब किंग्स को हराकर अपनी प्लेऑफ की संभावनाएं बनाये रखी हैं। गुजरात अब पांचवें स्थान पर पहुंच गयी है। वहीं मुम्बई इंडियंस की टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। पंजाब की टीम हार के बाद भी नंबर एक पर बनी हुई है। गुजरात टाइटंस ने पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में साई सुदर्शन की 57 रनों की आक्रामक पारी से जीत हासिल की। गुजरात की गेंदबाजी भी हावी रही और उसने पंजाब को 163 रन ही बनाने दिये। इसके बाद जीत का लक्ष्य हासिल करने उतरी टाइटंस के लिए सुदर्शन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को अहम जीत दिलाई। अंक तालिका में पंजाब किंग्स नंबर एक पर बनी रही।

वहीं पंजाब किंग्स 9 मैचों में 6 जीत, 2 हार और एक मैच का परिणाम नहीं निकलने कारण 13 अंक लेकर शीर्ष पर बनी हुई है। वहीं, गुजरात टाइटंस, इस जीत के बाद 10 मैचों में 6 जीत दर्ज करते हुए 12 अंक लेकर अंक तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गयी है। अंक तालिका में दूसरे स्थान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु है, जिसने पंजाब जितने ही 9 मैच खेलकर 6 जीत और 3 हार के साथ 12 अंक हासिल किए हैं। इसके बाद सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स भी 12 अंकों के साथ ही तीसरे और चौथे स्थान पर बरकरार हैं। वहीं हैदराबाद ने 10 मैच खेले हैं और रॉयल्स को भी इतने ही मैचों में जीत मिली है। इन तीनों टीमों के बीच नेट रन रेट के आधार पर कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है, जो प्लेऑफ की दौड़ को और भी दिलचस्प बना रही है।

मध्य तालिका में चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स दोनों ने 9 मैच खेलकर 4 जीत दर्ज की हैं और 8 अंकों के साथ छठे व सातवें स्थान पर हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स ने 9 में से 3 मैच जीतकर 6 अंक हासिल किए हैं और आठवें स्थान पर है।

वहीं अंक तालिका में मुम्बई इंडियंस 9 मैचों में सिर्फ 2 जीत के साथ ही 4 अंक हैं और वह नौवें स्थान पर हैं। मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए, मुंबई के लिए प्लेऑफ की रेस अब लगभग समाप्त हो चुकी है।वहीं सबसे निचले स्थान पर लखनऊ सुपर जायंट्स है, जिसने 8 मैचों में केवल 2 जीत दर्ज की हैं और उसके भी 4 ही अंक हैं।

चहल को एक ओवर दिये जाने से कैफ हैरान

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने स्पिनर युजवेंद्र चहल को कम गेंदबाजी दिये जाने की पंजाब किंग्स की रणनीति पर सवाल उठाये हैं। । कैफ के अनुसार पंजाब को चहल की क्षमताओं पर भरोसा बनाये रखना चाहिये । कैफ के अनुसार गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में जिस प्रकार से चहल को कम गेंदबाजी मिली उससे मुझे हैरानी हुई है । इस मैच में पंजाब किंग्स को हार का सामना करना पड़ा था । इस हार के बाद से ही पंजाब की गेंदबाजी रणनीति पर सवाल उठ खड़े हुए हैं । इसी को लेकर कैफ ने कहा था कि आईपीएल इतिहास के सबसे सफल गेंदबाजों में से एक होने के बाद भी चहल को केवल एक ही ओवर दिये जाने पर उन्हें हैरानी हुई है जबकि वह अपनी कलात्मक लेग-स्पिन और विकेट लेने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं । कैफ के अनुसार चहल ने आईपीएल में कुल 228 विकेट लिए हैं और उनका नाम सबसे अधिक विकेट लेने वालों में शामिल है ।इसमें से उन्होंने काफी विकेट चिन्नास्वामी स्टेडियम जैसी सपाट पिचों पर लिए थे जहां गेंदबाजों को काफी कम सहायता मिलती है । हालांकि, कैफ ने पिच की स्थितियों को भी ध्यान में रखा और स्वीकार किया कि शायद पिच पर घास मौजूद होने के कारण टीम की रणनीति प्रभावित हुई हो ।

जैनिक सिनर ने जीता मैड्रिड ओपन का खिताब, फाइनल में अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराया

मैड्रिड । विश्व नंबर वन टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर मैड्रिड ओपन का खिताब अपने नाम किया । इटली के दिग्गज जैनिक सिनर ने जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 57 मिनट तक चले मुकाबले में 6-1, 6-2 से हराकर, अपने करियर में पहला मैड्रिड ओपन का खिताब जीत लिया है । इस जीत के साथ सिनर लगातार पांच एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब (पेरिस, इंडियन वेल्स, मियामी, मोंटे-कार्लो, मैड्रिड) जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए । सिनर ने अब कैलेंडर पर मौजूद नौ मास्टर्स 1000 प्रतियोगिताओं में से आठ जीत लिए हैं ; उनके कलेक्शन में केवल रोम का खिताब ही शेष है । सिनर अपने करियर में आठ अलग-अलग मास्टर्स 1000 प्रतियोगिता जीतने वाले इतिहास के सिर्फ तीसरे खिलाड़ी हैं ; उनसे पहले यह कारनामा सिर्फ जोकोविच और रोजर फेडरर ही कर पाए थे ।

बीसीसीआई अब आईपीएल में क्रिकेटरों की गर्लफ्रेंड्स के रहने को लेकर सख्त नियम बनाने जा रहा

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खिलाड़ियों की गर्लफ्रेंड्स के रहने को लेकर सख्त नियम बनाने जा रहा है । बीसीसीआई ये कदम मुख्य रूप से भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों को रोकने, खिलाड़ियों की आचार संहिता को बनाए रखने और उनकी छवि को देखते हुए उठा रहा है । जहां भारतीय टीम के विदेशी दौरों के दौरान खिलाड़ियों की पत्नियों और परिवार के सदस्यों के साथ रहने को लेकर पिछले साल बोर्ड ने सख्त नियम बनये थे, वहीं आईपीएल में इस प्रकार के कोई नियम नहीं है जिसका लाभ खिलाड़ी उठा रहे हैं । आईपीएल में खिलाड़ियों की यात्रा और ठहरने की व्यवस्था की जिम्मेदारी आमतौर पर टीम मालिकों की होती है पर बोर्ड के पास इसमें हस्तक्षेप के अधिकार हैं। पिछले कुछ सत्र में कई खिलाड़ी अपनी गर्लफ्रेंड्स के साथ यात्रा करते और होटलों में रुकते देखे गए हैं, जिससे बोर्ड नाराज हैं । बीसीसीआई इसलिए भी परेशान है क्योंकि कुछ खिलाड़ियों की गर्लफ्रेंड्स पर बेटिंग ऐप्स के लिए काम करने का संदेश है । यह भ्रष्टाचार रोधी नियमों के उल्लंघन के साथ ही खेल की अखंडता के लिए खतरा है। इसके अतिरिक्त, कई युवा भारतीय क्रिकेट खिलाड़ियों की गर्लफ्रेंड्स सोशल मीडिया पर इन्फ्लुएंसर हैं और अपने पेज पर विभिन्न प्रोडक्ट्स, जिनमें बेटिंग ऐप्स और शराब ब्रांड्स भी शामिल हैं, का प्रचार करती हैं । ऐसे ब्रांड्स का प्रचार बीसीसीआई के नियमों के खिलाफ है और इससे गलत संदेश जाता है । बोर्ड नहीं चाहता कि भारतीय टीम के लिए खेलने वाले या भविष्य में खेलने की इच्छा रखने वाले किसी भी खिलाड़ी को ऐसी गतिविधियों से कोई परेशानी हो । कुछ खिलाड़ियों के फ्रेंचाइजी की बसों का अपनी गर्लफ्रेंड्स से मिलने के लिए इस्तेमाल करने के मामले भी सामने आए हैं, जिसे भी आचार संहिता का उल्लंघन माना गया है ।

एकजुट होकर प्रदर्शन करने से गुजरात टाइटंस को मिल रही सफलता : होल्डर

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के ऑलराउंडर जेसन होल्डर ने आईपीएल में पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली जीत पर उत्साहित होते हुए कहा है कि हमारी सफलता का कारण एक ईकाई के तौर पर खेलना रहा है। आईपीएल के इस मुकाबले में गुजरात ने अंक तालिका में नंबर एक पर चल रही पंजाब किंग्स को 4 विकेट से हरा दिया। होल्डर ने इस मैच में 4 ओवर में ही केवल 24 रन देकर 4 विकेट लिए और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

होल्डर ने कहा कि टीम की सफलता का सबसे बड़ा कारण उसका एकजुट होकर खेलना रहा है। टीम किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं है। उन्होंने कहा, यही हमारी टीम का टेम्पलेट रहा है। हमारे पास मजबूत खिलाड़ी हैं और हर मुकाबले में अलग-अलग खिलाड़ी आगे आकर अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। उन्होंने साथ ही कहा कि टीम किसी एक स्टार खिलाड़ी पर निर्भर नहीं करती, बल्कि हर मैच में एक नया हीरो सामने आता है। इसी से टीम अब तक टिकी हुई है।

होल्डर ने साथ ही कहा, हमने अभी तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी नहीं किया है, फिर भी हम जीत हासिल कर रहे हैं। यह बयान टीम की गहराई और क्षमता को दर्शाता है। उनके अनुसार, टीम अभी अपनी क्षमता के शिखर पर नहीं पहुंची है, लेकिन इसके बावजूद लगातार जीत दर्ज कर रही है, जो उनके लिए सबसे बड़ा सकारात्मक पहलू है। यह दिखाता है कि टीम में न केवल गहराई है, बल्कि संतुलन भी मजबूत है, जिससे वे दबाव में भी बेहतर प्रदर्शन कर पा रहे हैं।

इस महत्वपूर्ण जीत के साथ गुजरात टाइटंस की स्थिति अंक तालिका में और बेहतर हुई है। टीम अब तक 10 मुकाबले खेल चुकी है, जिसमें से उसने 6 में जीत हासिल की है और 4 में उसे हार का सामना करना पड़ा है। 12 अंकों के साथ गुजरात टाइटंस अंक तालिका में पांचवें स्थान पर आ गई है। अब गुजरात टाइटंस अपने अगले मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स का सामना करेगी। यह मैच 9 मई को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेला जाएगा।

रहाणे ने जीत का श्रेय गेंदबाजों को दिया, वरुण ने अच्छी गेंदबाजी की

हैदराबाद । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान आजिंक्य रहाणें ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली 7 विकेट से जीत का श्रेय गेंदबाजों को दिया है । रहाणे ने कहा कि हमारे गेंदबाजों विशेषकर वरुण चक्रवर्ती ने काफी सटीक गेंदबाजी कर करते हुए सनराइजर्स के बल्लेबाजों को खेलने का कोई अवसर नहीं दिया । केकेआर के गेंदबाजों ने इस मैच में अच्छा प्रदर्शन करते हुए सनराइजर्स के बल्लेबाजों को 19 ओवर में ही 165 रनों पर समेट दिया था। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने अपने चार ओवर में केवल 36 रन देकर तीन अहम विकेट लिए, वहीं अनुभवी सुनील नारायण ने 31 रन देकर दो विकेट लिए । इन दोनों गेंदबाजों ने मिलकर सनराइजर्स के बल्लेबाजों पर अंकुश लगा दिया । ये गेंदबाज नियमित अंतराल पर विकेट लेते रहे । इसके बाद लक्ष्य का पीछा रते हुए कोलकाता ने 10 गेंद पहले ही मुकाबला जीत लिया । रहाणे ने उम्मीद जतायी कि इस जीत से उनकी टीम टूर्नामेंट में टिकी रह सकती है । उन्होंने कहा, यह एक अच्छा मैच रहा और जिस तरह से हमने गेंदबाजी में वापसी की, वह शानदार था । एक समय ऐसा लग रहा था कि वे 190-200 रन बना लेंगे, और उस लक्ष्य का पीछा करना कठिन होगा पर हमारे गेंदबाजों ने उन्हें रोक दिया । । रहाणे ने पिछले कुछ मैचों में गेंदबाजों के निरंतर प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा, हमारी गेंदबाजी इकाई पिछले पांच-छह मैचों में बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही है । इसका श्रेय हमारे गेंदबाजी कोच ड्वेन ब्रावो और टिम साउदी को जाता है, जिन्होंने खिलाड़ियों को सही मार्गदर्शन दिया है । इस मैच में शानदार प्रदर्शन के लिए वरुण चक्रवर्ती को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया ।

इंटर मिलान का जलवा बरकरार, 3 मैच बाकी रहते ही सीरी ए खिताब किया अपने नाम

इटली । प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट Serie A में Inter Milan ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम कर लिया । इंटर मिलान ने परमा को 2-0 से हराकर तीन मैच शेष रहते ही चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया । इस जीत के साथ इंटर मिलान ने अंक तालिका में अपनी पकड़ इतनी मजबूत कर ली कि अब कोई भी टीम उन्हें पीछे नहीं छोड़ सकती । इंटर मिलान को खिताब जीतने के लिए सिर्फ एक ड्रॉ की जरूरत थी, लेकिन टीम ने जीत के साथ ट्रॉफी पर कब्जा जमाया । इस जीत के बाद टीम ने दूसरे स्थान पर मौजूद Napoli पर 12 अंकों की अजेय बढ़त बना ली है । यह इंटर मिलान का कुल 21वां सीरी ए खिताब है, जिससे वह सबसे ज्यादा खिताब जीतने वाली टीमों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है । मैच में इंटर मिलान की शुरुआत दमदार रही और पहले हाफ में ही बढ़त हासिल कर ली । टीम की ओर से Marcus Thuram ने पहला गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद अनुभवी खिलाड़ी Henrikh Mkhitaryan ने 80वें मिनट में दूसरा गोल कर जीत पक्की कर दी । पूरे सीजन में इंटर मिलान का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा है । टीम ने लगातार अच्छा खेल दिखाते हुए बाकी टीमों को पीछे छोड़ दिया । उनकी मजबूत डिफेंस और आक्रामक अटैक ने उन्हें इस सीजन का सबसे संतुलित टीम बना दिया । अब इंटर मिलान की नजर एक और ट्रॉफी पर है । टीम जल्द ही इटालियन कप के फाइनल में Lazio से भिड़ेगी । अगर इंटर यह मुकाबला जीत लेती है, तो इस सीजन में डबल ट्रॉफी जीतने का सपना भी पूरा हो सकता है ।

पीएसएल जीत से उत्साहित बाबर बोले, तीनों प्रारुप खेलूंगा, किसी भी एक से संन्यास का इरादा नहीं

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान सुपर लीग में अपनी टीम के खिताब जीतने से उत्साहित अनुभवी बल्लेबाज बाबर जाने ने कहा है कि अभी वह तीनों ही प्रारुप खेलते रहेंगे और उनके किसी भी एक प्रारुप को छोड़ने की कोई संभावना नहीं है। आजम ने इसी के साथ ही उनके किसी एक प्रारुप से संन्यास की अटकलों पर भी विराम लगा दिया। वहीं लंबे समय से यह चर्चा जोरों पर थी कि बाबर अपने करियर को बढ़ाने के लिए किसी एक फॉर्मेट से संन्यास ले सकते हैं, लेकिन उन्होंने इन सभी संभावनाओं को खारिज कर दिया। बाबर ने कहा, परेशान न हों, में तीनों प्रारुप खेलूंगा।

बाबर के इस बयान से साफ है कि उन्हें अब पाक टीम में वापसी का अवसर मिल सकता है। पिछले काफी समय से उनकी धीमी बल्लेबाजी पर सवाल उठते रहे हैं। यही वजह थी कि उनके टी20 करियर को लेकर तरह-तरह की बातें शुरू हो गई थीं, जिसमें फॉर्मेट छोड़ने की अटकलें प्रमुख थीं।

हालांकि, इन आलोचनाओं के बीच बाबर ने पाकिस्तान सुपर लीग 2026 में जबरदसत वापसी की। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए 11 पारियों में कुल 588 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 73.50 और स्ट्राइक रेट 145.90 रहा। इस दौरान बाबर ने दो शानदार शतक और तीन अर्धशतक लगाये।

बाबर ने जोर दिया कि एक खिलाड़ी को सभी प्रारुप खेलने चाहिए। उन्होंने तर्क दिया, यह एक खिलाड़ी का काम है कि वह हर फॉर्मेट में अपनी टीम के लिए उपलब्ध रहे। साथ ही कहा कि टेस्ट प्रारुप आपको धैर्य और लंबी पारी खेलने की कला सिखाता है।। उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि टेस्ट क्रिकेट से मिलने वाला अनुभव न केवल टेस्ट मैचों में बल्कि टी20 और एकदिवीसय जैसे सीमित ओवरों के प्रारूपों में भी एक खिलाड़ी को बेहतर बनाता है।

पीएसएल की सफलता के बाद अब बाबर का अगला ध्यान टेस्ट क्रिकेट पर है। पाकिस्तानी टीम जल्द ही बांग्लादेश के दौरे पर दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलेगी। यह श्रृंखला आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 का महत्वपूर्ण हिस्सा होगी, और बाबर इसमें अपनी टीम के लिए अहम भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार दिख रहे हैं। बाबर ने यह भी साफ संकेत दिए हैं कि वह 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप की योजनाओं का एक अभिन्न अंग बने रहना चाहते हैं।

विश्व एथलेटिक्स 2026 : रागुल , नित्या सहित भारतीय रिले टीम ने बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

गाबोरोन । बोत्सवाना में हुए विश्व एथलेटिक्स 2026 भारतीय एथलेटिक्स में भारतीय टीम क्वालीफाई नहीं कर पाने के बाद भी एक रिकार्ड बनाने में सफल रही । इसमें शामिल पांचों भारतीय टीमें अपने-अपने वर्ग में क्वालिफिकेशन नहीं कर पायीं पर 4 गुणा 400 मीटर में भारत की र रिले टीम ने एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड जरुर बनाया। भारतीय रिले टीम में रागुल कुमार, नित्या गांधे, अनिमेश कुजूर और स्नेहा सत्यनारायण शनुवल्ली शामिल थे । इस चारों ने शानदार तालमेल और गति का प्रदर्शन करते हुए 41.35 सेकंड का समय निकाला । इससे ये हीट में छठे स्थान पर रहे और क्वावलीफाई नहीं कर पाये पर 42.30 सेकंड के पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ने में जरुर सफल रहे । यह प्रदर्शन भारतीय रिले एथलेटिक्स के भविष्य लिए सकारात्मक कदम है, जो आगामी प्रतियोगिताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकता है और युवा एथलीटों को बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करेगा । वहीं अन्य रिले टीमों का प्रदर्शन हालांकि उतना प्रभावशाली नहीं रहा । मिश्रित 4 गुणा 400 मीटर रिले में भारत की दूसरी टीम अपनी हीट में ही पांचवें स्थान पर रही । वहीं, पुरुषों की 4 गुणा 400 मीटर रिले टीम दौड़ पूरी नहीं कर सकी । इसका कारण ये रहा कि अनुभवी धावक आमोज जैकब को दौड़ के बीच में ऐंठन का सामना करना पड़ा । वहीं महिला 4 गुणा 400 मीटर टीम अपनी हीट में अंतिम स्थान पर रही, जबकि पुरुषों की गुणा 400 मीटर टीम को बैटन बदलने के दौरान हुई गलती के कारण अयोग्य करार दिया गया ।